हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–217 : जौनपुर, शुक्रवार 03 दिसंबर 2021 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

2017 से पहले विकास में बाधक माना जाता था उत्तर प्रदेश : अब विकास का प्रतीक –सीएम योगी

लखनऊ ब्यूरो : पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान फॉर मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी इन नॉर्दर्न रीजन की जोनल कॉन्फ्रेंस में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश को विकास में बाधक माना जाता था, लेकिन अब यह विकास का प्रतीक बन चुका है। पिछले साढेध चार साल में प्रदेश में कोई दंगा नहीं हुआ और कानून व्यवस्था इतनी मजबूत हुई कि यहां निवेशकों ने भी अपना रुख किया। इसके विकास का यह भी एक बड़ा कारण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में इंफ्रास्ट्रक्चर की स्पीड बहुत कम थी। यह कछुए या केंचुए जैसी थी लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने उसके लिए कार्य किया। इस पर उत्तर प्रदेश सरकार ने सबसे तेजी से अमल किया और आज इसकी गति हमारे यहां सबसे ज्यादा है। पूर्वांचल का 340 किलोमीटर का एक्सप्रेसवे इसका उदाहरण है । 20 माह में पूरा करके इसे राष्ट्र को समर्पित कर दिया गया है। सारे कार्य तेजी से हुए हैं। चाहे मेरठ दिल्ली एक्सप्रेसवे हो बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे या अन्य दूसरे कार्य सभी द्रुतगति से हो रहे हैं। हमने छह एक्सप्रेस वे पर वर्क पर काम किया है जबकि आजादी के बाद से केवल डेढ़ एक्सप्रेसवे पर ही काम हो पाया था। हम एयरपोर्ट बना रहे हैं। पहले प्रदेश के 25 स्थानों तक ही हवाई कनेक्टिविटी होती थी, लेकिन अब प्रदेश के 80 स्थान हवाई कनेक्टिविटी से जुड़े हैं ।11 स्थानों पर नए एयरपोर्ट पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि जेवर में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन रहा है। यह वही स्थान है, जिसके पास ही भट्टा पारसौल में किसान मारे गए थे और अब किसानों ने चार गुने नहीं बल्कि दोगुने दाम में अपनी जमीन समर्पित कर दी। यह उनके साथ बेहतर संवाद का परिणाम

रहा, अभी और किसान भी सरकार को अपनी जमीन समर्पित करने जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर इस तेजी से आगे बढ़ रहा है कि सभी राज्यों यहां तक कि नेपाल की सीमाओं को फोरलेन कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है। हर जनपद मुख्यालय तहसील मुख्यालय को टू लेन कनेक्टिविटी दी गई है। गांव–गांव 16 घंटे बिजली पहुंचाने का काम किया और प्रयास है कि जल्द ही गांव हो या शहर 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जाए। उन्होंने कहा कि चाहे स्मार्ट सिटी हो चाहे डिफेंस कॉरिडोर के छह डोर हो ब्रह्मोस मिसाइल के लिए जमीन देने की व्यवस्था हो, मेडिकल कॉलेज हो इन सभी में उत्तर प्रदेश अग्रणी है। यह सब प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व और निर्देशन में संपन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि शक्ति गति का सीधा अर्थ है कि जहां शक्ति है वही गति होगी और जहां गति है वही शक्ति आएगी। इसी थीम पर काम करते हुए उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है।

एसटीपी और अमृत योजना से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध न कराने पर सम्बंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की संस्तुति करेगी समिति

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : 1 दिसम्बर को विधान परिषद की निगमों व निकायों में भर्ष्टाचार पर अंकुश लगाए जाने की समिति की बैठक समिति में सभापति व विधान परिषद सदस्य विद्यासागर सोनकर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई द्य बैठक में प्रदेश के अन्य मामलों के अलावा जौनपुर में नमामि गंगे के तहत एसटीपी एवम रिवर फ्रंट व अमृत योजना के तहत हो रहे सीवर कार्य में व्याप्त गम्भीर तकनीकी व वित्तीय भर्ष्टाचार के मामले की दूसरी सुनवाई सम्पन्न द्य पहली बैठक में दिए निर्देश के बावजूद जलनिगम उ0प्र0 द्वारा जिला प्रशासन की जांच समिति को जानबूझकर कोई सम्बंधित दस्तावेज उपलब्ध नही कराए गए, जबकि इस बाबत 20 नवम्बर को ही मुख्य राजस्व अधिकारी जौनपुर द्वारा जलनिगम को पत्र लिखकर 23 नवम्बर तक सभी सम्बंधित दस्तावेज न प्रस्तुत करने की दशा में शिकायतकर्ता गौतम गुप्ता की सभी शिकायतें बिंदुवार व अक्षरशः सही मानते हुए शासन को रिपोर्ट प्रेषित कर दी जाएगी, बावजूद इसके विभाग द्वारा बैठक की नियत तिथि 1 दिसम्बर तक कोई कागज नही दिए गए, जिस पर जिलाधिकारी जौनपुर द्वारा समिति को भेजे पत्र में कहा गया है कि बार बार मांगे जाने के बावजूद जलनिगम द्वारा उपरोक्त गम्भीर जांच में असहयोग किया जा रहा जबकि पूर्व में निर्गत पत्र में कहा जा चुका है कि तय समय मे भर्ष्टाचार से सम्बंधित दस्तावेज न उपलब्ध कराने की दशा में शिकायतकर्ता की सभी शिकायते सही मानी जाएंगी, ऐसे में जिला प्रशासन ने समिति से आग्रह किया है कि उपरोक्त बाबत जलनिगम उ0प्र0 को पुनः सभी साक्ष्य उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया जाएद्य समिति ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार करते हुए अपर मुख्य सचिव नगर विकास रजनीश दूबे को कड़े शब्दों में निर्देश दिया है कि प्रत्येक दशा में 3 कार्यदिवस के भीतर जौनपुर जिला प्रशासन को भर्ष्टाचार सम्बन्धी सभी साक्ष्य उपलब्ध कराएं, अन्यथा समिति अगली बैठक में अधिकारियों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की संस्तुति हेतु बाध्य होगी द्य बैठक में जौनपुर में बन रहे रिवर फ्रंट मामले पर भी समिति ने गम्भीर आपत्ति दर्ज कराते हुए प्रमुख सचिव जलशक्ति मंत्रालय व नमामि गंगे के उच्चाधिकारियों को 10 दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण देने हेतु निर्देशित किया है। बैठक में शिकायतकर्ता गौतम गुप्ता द्वारा जलनिगम उ0प्र0 पर।गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा गया कि विभाग लगातार 6 माह

से जिला प्रशासन को दस्तावेज के नाम पर केवल बहाना बता रहा है जबकि सभी सम्बंधित दस्तावेज अनिवार्य रूप से जौनपुर जलनिगम कार्यालय पर ही उपलब्ध हैं द्य ऐसे में जानबूझकर कूटरचना के तहत कागज न उपलब्ध कराना भी संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। बैठक में समिति के सदस्य डरू सी0पी0 चंद, शतरुद्र प्रकाश, सन्तोष यादव सनी समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे द्य नगर विकास विभाग की ओर से अपर मुख्य सचिव नगर विकास रजनीश दूबे, प्रबन्ध निदेशक जलनिगम उ0प्र0 आलोक कुमार तृतीय, विशेष सचिव नगर विकास संजय सिंह यादव व जिला प्रशासन के प्रतिनिधि के रूप में उपजिलाधिकारी श्री सत्येंद्र कुमार उपस्थित रहे। स्वच्छ गोमती अभियान के अध्यक्ष गौतम गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ गोमती अभियान माँ गोमती के हितों से कोई समझौता नही करेगा द्य संस्था शुरू से ही नमामि गंगे व अमृत योजनांए भर्ष्टाचार की बात उठाता आ रहा है, विधान परिषद की समिति, अपर मुख्य सचिव व जिलाधिकारी जौनपुर के निर्देशों में बावजूद जलमिगम द्वारा भर्ष्टाचार सम्बन्धी दस्तावेज न उपलब्ध कराना ही इस मामले में करोड़ों के भर्ष्टाचार की पुष्टि करता है। रिवर फ्रंट प्रोजेक्ट में जिन विभागों की अनापत्ति प्रमाण पत्र अनिवार्य है उनकी छब्व के अलावा नमामि गंगे के पास सभी विभागों की छब्व है, छळऊ, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण व उ0प्र0 प्रदूषण नियन्त्र बोर्ड की छब्व के बिना काम कराना एकदम नीतिसंगत संगत नही है, हम इसके विरुद्ध जिलाधिकारी जौनपुर को पत्र देंगे व दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करेंगे।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dkulive चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

दिव्यांगजन हमारे समाज का एक अभिन्न अंग–जिलाधिकारी

जौनपुर सू.वि. : विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर समेकित शिक्षा के अन्तर्गत विशिष्ठ आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु कार्यक्रम स्थान डायट परिसर में हुआ।मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, विशिष्ठ अतिथि डा अंकिता राज, अध्यक्षता कर रहे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल ने सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। तथा दिव्यांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिताएं हुई। जिसमें श्रवण बाधित छात्र छात्राओं की जलेबी दौड़, केला दौड़, बैलून फुलाओ, बम में दम, रस्सी दौड़, मेंढ़क दौड़, चम्मच दौड़, टाफी दौड़, मटर छिलो, बोरा दौड़, व दौड़ प्रतियोगिता तथा दृष्टि बाधित छात्र छात्राओं के लिए छड़ी दौड़, मटकी फोड़ व दिव्यांग बच्चों के लिए रस्सा कशी प्रतियोगिताएं हुई। जो कि आकर्षक का केन्द्र रही। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि दिव्यांगजन भारतीय समाज का एक अभिन्न हिस्सा हैं। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के इस अवसर पर आइए, हम सब संकल्प लेते हैं कि दिव्यांगजनों के अधिकारों के प्रति सजग होकर उन्हें समाज में समान दर्जा देंगे और उनके सशक्तिकरण के लिए पूर्ण सहयोग करते रहेगें। आकांक्षा समिति अध्यक्ष डा अंकिता राज ने दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की बहुत सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांग दिवस, दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति करुणा, आत्म–सम्मान और उनके जीवन को बेहतर बनाने के समर्थन के उद्देश्य से मनाया जाता है। डा गोरखनाथ पटेल ने लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग लोगों के अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देना है। इसके अलावा राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के हर पहलू में विकलांग व्यक्तियों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। संचालन सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर विनीत सेठ, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी जितेंद्र कुमार, डी आई जय कुमार, जिला समन्वयक प्रशिक्षण सुरेश पाण्डेय, समन्वयक एम डी एम अरुण मौर्य, समन्वयक निर्माण रजा हसन, समन्वयक सामुदायिक सहभागिता आशीष श्रीवास्तव, बीईओ राजीव कुमार यादव, सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी, अध्यक्ष प्रा शिक्षक संघ अमित सिंह, राजू सिंह, सै मो मुस्तफा, अश्वनी सिंह, दिव्यांग को पढ़ाने वाले सभी विशेष शिक्षक छात्र–छात्राएं जेसीआई चेतना की पदाधिकारी उपस्थित रही।

दबंग ने उड़ाईं यूपी पुलिस की धज्जियां वर्दीधारी सब–इंस्पेक्टर को जड़े थप्पड़ : चार गिरफ्तार

लखनऊ ब्यूरो : हसनगंज थाना क्षेत्र के निराला नगर में बृहस्पतिवार देर रात दबंगों ने सरेराह दरोगा की पिटाई की और वर्दी फाड़ दी। कंधे से सितारे भी नोचने के अलावा किसकी गाड़ी से नगरी लैपटॉप और जरूरी कागजात भी उठा ले गए। कुछ देर बाद इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें एक शादी समारोह में शामिल दबंग दरोगा की पिटाई करते हुए देख रहे थे। सूचना मिलने पर पहुंची हसनगंज की पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पीलीभीत से लखनऊ ट्रांसफर हुए दरोगा विनोद कुमार किसी काम से अलीगंज की तरफ से निराला नगर जा रहे थे। वहीं पास एक होटल में मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ था सड़कों पर गाड़ियां ज्यादा लगी थी तो दरोगा जी की गाड़ी दूसरे से टकरा गई, जिसे लेकर हंगामा शुरू हो गया। शादी समारोह में शामिल हुए इस दबंग दरोगा से उलझ गए पहले गालियां दी फिर थप्पड़ों की बरसात कर दी। नशे मे होने का आरोप लगाते हुए किया हमला। हमले के दौरान ही दबंगों के साथियों ने ही वीडियो भी बना ली, जिसमें आशीष शुक्ला नाम का युवक दरोगा को खुलेआम थप्पड़ मारता हुआ दिखा। वही पीछे से एक उसके कंधे पर सजा दो सितारों को भी नोचता हुआ दिखा, तीसरा बेल्ट को खोलने की कोशिश कर रहा था। सारी हरकतें मोबाइल में कैद हो गई । हमला करने के बाद दबंग वहां से चले गए दरोगा ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। मौके पर पहुंची हसनगंज थाने की पुलिस ने दरोगा को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। वही आसपास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की।साले बहनोई पहुंचे जेल। प्रभारी निरीक्षक हसनगंज अशोक सोनकर के मुताबिक दरोगा पर हमला करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसमें मुख्य आरोपी आशीष शुक्ला इंदिरा नगर का रहने वाला है। इसके अलावा प्रांजल माथुर और प्रियंक माथुर दो इसके रिश्तेदार हैं। इसके अलावा इस मामले में एक अन्य आरोपी प्रवेंद्र को भी गिरफ्तार किया गया है। प्रांजल, प्रियांक और प्रवेंद्र अलीगंज के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक आशीष शुक्ला का प्रांजल और प्रियंका अगर ससुराल है। आशीष के साले का बृहस्पतिवार को रिसेप्शन का आयोजन था इस दौरान इन लोगों ने दबंगई दिखाई। प्रभारी निरीक्षक अशोक सोनकर के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज में आरोपी दरोगा की गाड़ी से सामान चोरी करते हुए भी दिखे। कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शाह–योगी ने सेट किया पश्चिमी यूपी का चुनावी एजेंडा : विकास–पलायन समेत यह होंगे बड़े मुद्दे, भाजपा बनाम अन्य लड़ाई बनाने का प्रयास

लखनऊ आक्रामक अंदाज में अस्मिता के सवाल पर बात। विकास के अलावा पहचान, पलायन, सम्मान व सुरक्षा पर पहले की सरकारों और केंद्र में मोदी और प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद आए फर्क पर बात। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सहारनपुर में प्रख्यात देवी शक्तिपीठ मां शाकंभरी देवी के नाम पर बनने वाले राज्य विश्वविद्यालय का शिलान्यास करते हुए पश्चिमी यूपी का भाजपा का चुनावी एजेंडा सेट कर दिया। शब्द भले ही कुछ प्रयोग हुए, लेकिन साफ हो गया कि विपक्ष पर वार को भाजपा छेड़छाड़, कानून–व्यवस्था, पशु चोरी, धर्मांतरण, दंगा, हिंदुओं से किए गए दोयम दर्जे के व्यवहार को मुख्य हथियार बनाएगी। शाह ने पश्चिमी यूपी के युवाओं को 'जिगर का टुकड़ा' बताया। लोगों से हाथ उठवाकर इस बार भी यूपी में भाजपा के 300 पार जाने का वचन लिया। भले ही लोग कहते हों कि किसानों के आंदोलन से इस क्षेत्र में भाजपा की चुनौती बढ़ी है। पर, शाह व योगी बृहस्पतिवार को यह बताने की कोशिश की कि वे बिल्कुल चिंतित नहीं हैं। हर संभावित चुनौती से निपटने की पूरी तैयारी कर ली है। प्रतीकों से दुखती रग पर हाथ। राजनीति में प्रतीकों का बहुत महत्व है। अगर इनका प्रयोग इनसे सरोकार रखने वालों को अतीत की दुश्वारियों की याद दिलाते हुए की जाए तो मारक क्षमता और बढ़ जाती है। शाकंभरी देवी राज्य विवि का शिलान्यास करते हुए भाजपा ने यही किया। शाह ने यह कहते हुए, 'लोगों को पलायन पर मजबूर करने वाले योगी सरकार बनने के बाद प्रदेश से पलायन कर गए हैं।' लोगों को 2017 से पहले के पलायन का दर्द याद दिला यह समझाने की कोशिश की कि मोदी व योगी सरकार ने हिंदुओं के सम्मान–स्वाभिमान, सुरक्षा एवं रोजी–रोटी के लिए किस तरह काम किया है। बिसात बिछाने की कोशिश। बीते कुछ वर्षों में गन्ना भुगतान, कांवड़ यात्रा, माफिया, धर्मांतरण, छेड़छाड़, पशु चोरी जैसे मुद्दे पश्चिमी यूपी के राजनीतिक समीकरण बनाते–बिगाड़ते रहे हैं। वहीं, हिंदुओं का पलायन भी बड़ा मुद्दा बना है। शहरी इलाकों में अक्सर सांप्रदायिक तनाव के लिए पहचाने जाने वाले पश्चिमी यूपी में मुजफ्फरनगर दंगा ने कई जिलों के ग्रामीण इलाकों में हिंदू–मुस्लिम खाई बढ़ाई है। इसलिए शाह व योगी की बातों का मर्म खास है। वरिष्ठ पत्रकार रतनमणि लाल कहते हैं कि सहारनपुर में इन दोनों ने कुछ

भी ऐसा नहीं छोड़ा जो हिंदुओं को उनके अतीत के कष्ट याद दिलाने वाला न हो। यह एक तरह चुनाव अभियान में भाजपा की रणनीति का ट्रेलर था। जो यह बता गया कि भाजपा इस क्षेत्र के लिहाज से दंगा, पलायन सहित उन सभी मुद्दों को पूरी आक्रामकता से उठाएगी। उसका हमला मुख्य रूप से सपा पर होगा, जिससे हिंदुओं के साथ किए गए सौतेले व्यवहार को ठीक से धार दी जा सके। इनका भी मतलब खास। शाह के निशाने पर अखिलेश यादव को रखा। इस पर प्रो. एपी तिवारी कहते हैं कि अयोध्या आंदोलन के साथ सपा मुस्लिमों के ध्रुवीकरण की राजनीति की प्रतीक बन गई है। इसलिए सपा पर हमला स्वतः हिंदू–मुस्लिम राजनीतिक समीकरण बना देता है। ये समीकरण पश्चिमी यूपी की राजनीतिक बिसात पर भाजपा को मजबूत बनाता है। विपक्ष को घेरता है। प्रो. तिवारी के निष्कर्षों के मद्देनजर देखें तो शाह व योगी ने जो एजेंडा सेट किया है, विपक्ष चाहकर भी उससे नहीं हट पाएगा। देवबंद से इतर भी पहचान। सहारनपुर में इस्लामिक शिक्षा का बड़ा केंद्र दारुल उलूम देवबंद भी है। इसको लेकर खूब राजनीति भी होती रही है। मुख्यमंत्री योगी ने उसी इलाके में शाकंभरी देवी के नाम पर विवि बनाने का फैसला कर भविष्य में इस इलाके की पहचान सिर्फ देवबंद से ही नहीं बल्कि शाकंभरी देवी विवि से कराने के अपने संकल्प का संदेश दिया है। यहां से मिलने वाली डिग्री पर शाकंभरी देवी का चित्र होने की जानकारी देकर उन्होंने यह बताने की कोशिश की है कि वह इस इलाके की पहचान सनातन संस्कृति के केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए कृत संकल्प हैं। इसलिए शाह व योगी की बातें खास। पश्चिमी यूपी में कई स्थानों पर मुस्लिम आबादी अच्छी–खासी है। अतीत में छोटी–छोटी बातों पर सांप्रदायिक घटनाएं घटती रही हैं। मुजफ्फरनगर दंगा की जड़ में भी छेड़छाड़ ही थी। शायद इसीलिए शाह ने केंद्री में मोदी सरकार बनने के बाद अनुच्छेद–370 समाप्त होने, तीन तलाक खत्म करने, आतंकवाद पर अंकुश लगने जैसे कामों तथा योगी की सरकार बनने के बाद प्रदेश में बहन–बेटी से छेड़छाड़ की किसी की हिम्मत न होने, पशु तस्करी और गो–हत्या पर रोक, माफिया के मुर्गा बनने, कान–पकड़कर समर्पण करने, धर्मांतरण पर रोक लगने जैसे कामों का उल्लेख कर हिंदुओं को प्रतीकात्मक रूप से संदेश दिया कि उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान व भारतीय संस्कृति की चिंता केवल भाजपा ही कर सकती है।

टीईटी पेपर लीक प्रकरण : एसटीएफ का खुलासा : स्कूल–कॉलेज के छात्रों से टाइप कराया पेपर, उन्हें ही बनाया प्रूफ रीडर

लखनऊ ब्यूरो : टीईटी पेपर लीक मामले में एसटीएफ ने बड़ा खुलासा किया है। एसटीएफ ने दावा किया है कि प्रश्नपत्र छापने वाली एजेंसी ने काम मिलने के बाद टाइपिंग का काम स्कूली छात्रों को दे दिया। प्रश्नपत्रों की प्रिंटिंग के बाद प्रूफ रीडिंग, डिजाइनिंग, पैकिंग की जिम्मेदारी भी इन्हीं स्कूलों छात्रों को दे दी। परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने हस्त लिखित प्रश्नों की सूची एजेंसी को उपलब्ध कराई थी। पेपर लीक मामले की जांच कर रही यूपी एसटीएफ को पड़ताल के दौरान कई ऐसे सुराग मिले हैं जिससे साबित होता है कि इस पूरी प्रक्रिया को एजेंसी ने बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लिया और गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाया। इस पेपर की संवेदनशीलता का भी अंदाजा एजेंसी को नहीं था। एजेंसी के पास मैनपावर भी नहीं थे। मैनपावर की भर्ती प्रश्नपत्र छापने का आदेश मिलने के बाद शुरू की गई। आनन फानन में आरएसएम फिनसर्व ने प्राइवेट कर्मचारियों की असुरक्षित तरीके से नियुक्ति की। प्रश्नपत्र की अलग अलग भाषाओं हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू व संस्कृत में टाइपिंग के लिए स्कूल और कालेज के छात्र–छात्राओं को अनियमित तरीके से बुलाया गया। इन कामों को सीसीटीवी सर्विलांस के अंडर में होना था, लेकिन एजेंसी के पास ऐसा कोई रिकार्ड नहीं मिला। सूत्रों का कहना है कि जिन प्रिंटिंग प्रेस को काम सौंपा गया वहां भी बिना अनुबंध के काम दे दिया गया। यहां तक की गोपनीयता बनाए रखने के लिए कोई भी नन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट नहीं किया गया। एसटीएफ इस पूरे मामले की

परत दर परत पलट रही है। इस मामले में एजेंसी के निदेशक राय अनूप प्रसाद और परीक्षा नियामक प्राधिकारी के सचिव संजय उपाध्याय पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। सॉल्वर गिरोह के सरगना की तलाश के लिए पूर्वांचल में एसटीएफ हुई सक्रिय। उधर, टीईटी परीक्षा में बड़ी संख्या में साल्वर यूपी आए थे। इसमें अधिकतर बिहार से आए थे। एसटीएफ ने इस मामले में अब तक 35 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें लगभग आधे साल्वर हैं। और इतने ही साल्वर की तलाश एसटीएफ को है। एसटीएफ के एक सूत्र ने बताया कि पूर्वांचल में ही इस गिरोह के लोगों ने ठिकाना बनाया था और जहां मामला सेट हो जाता वहां चार से छह घंटे में साल्वर भेज दिए जा रहे थे। एसटीएफ इस मामले में प्रकाश में आए राजन नाम के सरगना की तलाश कर रही है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

कुछ देनें के लिए दिल बड़ा होना चाहिये, हैसियत नहीं–

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

सुलगते सवालों के साथ आज भी हरे हैं घाव

37 बरस पूरे हो गए हैं विश्व की भीषणतम औद्योगिक त्रासदी यानी भोपाल गैस कांड को। दो और तीन दिसंबर 1984 की दरम्यानी स्याह और सर्द रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड के कारखाने से निकली प्राणघातक गैस के नासूर को रिसते 3 लाख 24 हजार 120 घंटे से ज्यादा अर्सा बीत गया है, लेकिन तंत्र की तंद्रा अब तक भंग नहीं हुई है। कुछ सवाल उस रात मौतों की चीत्कार सुनकर ठिठक कर खड़े हो गए थे, वे अब तक वहीं खड़े हैं।

आखिर ये 'भोपाल' क्यों घटा? किसने घटने दिया? और किसने दोषियों को 'कवच कुंडल' दिए? प्रश्नों के उत्तर जहां से आने हैं, वहां चुप्पी के ताले हैं और उस रात शुरू हुआ सतत हादसे का अंतहीन दौर अब तक जारी है, न्याय की बात तो कौन करे, जिंदा बच गए लोग अपने सीने में दफ्न गैस पीढ़ी दर पीढ़ी सौंपने को अभिशप्त हैं।

दरअसल, उन्हें संवेदनहीन तंत्र ने पल–पल मौत का संत्रास झेलते–झेलते मौत की आखिरी पेशी की आवाज सुनने के लिए अभिशप्त कर दिया है। खतरनाक बात ये है कि हमने 'भोपाल' से कोई सबक नहीं लिया है।

भारत में मई 2020 से जून 2021 के बीच औद्योगिक हादसों में 231 मजदूरों की मौत हुई। आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम के एलजी प्लांट से जहरीली गैस के रिसाव से एक दर्जन मौतों से लेकर के थर्मल पावर प्लांट विस्फोट में 20 मौतों और विरूधनगर पटाखा फैक्ट्री में आग से 21 लोगों की जान चली जाने के हादसे इसमें शामिल हैं। देश में इस साल जनवरी से जून तक छह माह में औद्योगिक हादसो में 117 मौतों का आंकडा बताता है कि न जाने कितने भोपाल सतत् घट रहे हैं।

कोई नहीं जानता कि 37 साल पहले 2 और 3 दिसम्बर की दरम्यानी रात घटे भोपाल हादसे की उम्र कितनी लंबी होगी, संततियां विकलांग और बीमार पैदा होने की बात तो आईसीएमआर की पहली रिपोर्ट में हादसे के तीन बरस बाद ही 1987 में बता दी थी। हादसे में रिसी गैस को मिथाइल आइसोसायनाइड इंगित करने वाली यह रिपोर्ट बताती है कि गर्भवती स्त्रियों में से 24. 2 प्रतिशत गर्भपात का शिकार हो गई थीं। जो जन्मे उनमें से 60.9 प्रतिशत शिशु भी ज्यादा दिन जीवित नहीं रह सके।

मौत के पंजे से बच निकले शिशुओं में से भी 14.3 प्रतिशत शिशु दुनिया में शारीरिक विकृति लेकर आए। यह विकृति भी उन शिशुओं में ज्यादा पाई गई जो गैस रिसाव के समय गर्भ में तीन से लेकर नौ माह तक की अवस्था में थे। इतना ही नहीं हादसे के वक्त पांच बरस के रहे बच्चों पर भी गैस का घातक असर हुआ।

वे उम्र बढ़ने के साथ ही सांस की तकलीफ के बढ़ने का शिकार भी हुए। यानी आज जो 36 बरस से 41 बरस की उम्र के गैस पीड़ित हैं, उनकी तकलीफें मुसलसल जारी हैं। यह भी दहला देने वाली हकीकत है कि राज्य सरकार के मेडिको लीगल संस्थान में गैस हादसे के पीड़ितों के सैंपल तक सुरक्षित नहीं रह पाए।

सियासत की बात करें तो उस वक्त की सूबे की और केंद्र की सरकारों ने क्या किया था, जबकि उन्हें करना क्या चाहिए था? यह सवाल अब तक अनुत्तरित हैं। दोनों ही कांग्रेस की सरकारें थीं। प्रधानमंत्री थे राजीव गांधी और मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह। सरकारों ने गिरफ्तार आरोपी वारेन एंडरसन को सुरक्षित और सम्मान सहित अमेरिका जाने का इंतजाम किया था।

इस पर सियासत से लेकर बौद्धिक बहसों के अनेक कारवां गुजर चुके हैं। भाजपा तो भोपाल में बकायदा गैस हादसे और पीड़ितों की समस्या को दो दशक तक चुनावी मुद्दा बनाती रह चुकी है। गैस त्रासदी और उस वक्त के पूरे वार्डों यानी समूचे शहर को गैस पीड़ित मानने पर जोर देती रही यह पार्टी बीते करीब दो दशक से प्रदेश की सत्ता में हैं, लेकिन गैसकांड वाले मुद्दे पीछे छूट गए हैं।

बीते चार विधानसभा चुनाव में किसी भी सियासी जमात ने गैस कांड पीड़ितों के मुद्दे को चुनावी मुद्दा ही नहीं माना। हालांकि जब अदालती फैसले की वजह से गैस कांड और एंडरसन का मामला चर्चा में आया, तो जांच के लिए कमेटियां बना दी गईं।

वर्तमान सरकार ने भी करीब 11 साल पहले न्यायिक जांच कमेटी बनाई थी। न तो हादसे का मुख्य आरोपी वारेन एंडरसन इस दुनिया में है, न ही उसके भारतीय साझेदार और न ही उसके मददगार बने तत्कालीन सरकारों के मुखिया।

गैस पीड़ितों की उस वक्त मदद करने वाले लोगों के संगठन भी छिन्न भिन्न होकर नेताओं की संख्या उतनी संख्या तक जा पहुंचे ही हैं जितनी बरसियां बीतती जा रही हैं। न तो गैस त्रासदी के लिए जिम्मेदारों को सजा ही मिली और न ही पीड़ितों को राहत महसूस कर सकने लायक न्याय। 'भोपाल' को लेकर सियासत बदस्तूर जारी है।

यक्ष प्रश्न यह है कि हमने और दुनिया ने विश्व की भीषणतम युद्ध त्रासदी हिरोशिमा नागासाकी की ही तरह विश्व की भीषणतम औद्योगिक त्रासदी भोपाल गैस कांड से क्या सीखा? ये हादसा दुनिया के रहबरों के माथे पर सिकन पैदा नहीं कर पाया था, लेकिन इससे सबक लिए बिना दुनिया का भला नहीं हो सकता।

गैस त्रासदी में एक रात में काल कवलित हुए साढ़े तीन हजार और सैतीस साल से लगातार जारी हादसे में तिल तिलकर मृत हुए करीब 35 हजार लोगों को सही मायने में श्रृद्धांजलि यही होगी कि जो बचे हैं उन्हें बेहतर इलाज और मुआवजे से महरूम रह गए लोगों को उनका हक मिले, वरना हर साल बरसी में हम संख्या की एक एक गिरह बढ़ाते जाएंगे, होगा कुछ नहीं।

हालांकि यह भी हौलनाक सच है कि गैस कांड की बरसी पर अब मातम के लिए जुटने वालों की तादाद 20 लाख की आबादी वाले भोपाल में ही सैकड़ा से ज्यादा नहीं होती। जाहिर है हम न सबक ले रहे हैं, न हादसे को लेकर गम बचा है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

पाकिस्तान से आया, ठेला लगाया और बना विधायक : 86 वर्षीय तुलसीदास बता रहे हैं कितनी बदल गई सियासत

लखनऊ ब्यूरो : भाजपा के बुजुर्ग नेता व पूर्व विधायक तुलसीदास रायचंदानी पार्टी के संघर्ष के दिनों के साथी रहे हैं। एक दशक तक अविभाजित गोंडा के जिलाध्यक्ष और दो बार विधायक रहे। कार्यकर्ताओं के लिए लड़ने और साथ खड़े रहने के लिए पहचाने जाने वाले तुलसीदास 86 की उम्र पूरी कर चुके हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दूसरे और तीसरे चुनाव में बलरामपुर में प्रचार से लेकर अबतक राजनीति के तमाम उतार चढ़ाव देखे हैं। वह कहते हैं, अब राजनीति बहुत बदल गई है। तुलसीदास बताते हैं, 1957 में पश्चिमी पाकिस्तान से गोंडा आया था। विकट गरीबी का सामना करना पड़ा। ठेले पर फल बेचकर परिवार को आगे बढ़ाया। लेकिन, परिश्रम व ईश्वर की कृपा से सब कुछ प्राप्त हुआ। गोंडा आने के बाद आरएसएस व जनसंघ के संपर्क में आया। फिर भाजपा से जुड़ गया। करीब 11 वर्ष तक भाजपा का जिलाध्यक्ष रहा। इसी दौरान 1991 का चुनाव आया तो पार्टी ने कहा कि चुनाव लड़ाने के साथ लड़ना भी पड़ेगा। जबकि गोंडा सदर विधानसभा क्षेत्र में मेरे समाज के कुछ सैकड़ा वोट ही रहे होंगे। खुद भी चुनाव लड़ा और अन्य सीटों पर कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी बनवाया। तब पार्टी के प्रति समर्पण व समाजसेवा की भावना ही टिकट का पैमाना हुआ करती थी। पूरे जिले में प्रचार करना था। चार पहिया गाड़ी तक नहीं थी। मोटरसाइकिल से प्रचार होता था। आखिरकार उधार लेकर गाड़ी खरीदी। शहर और जिले के कार्यकर्ताओं ने 10, 50, 100 व 1000 रुपये, जितना जिससे बन पड़ा चंदा दिया। इसी बीच चुनाव 10 दिन के लिए स्थगित हो गया। फिर प्रचार के लिए पैसे खत्म। माहौल अच्छा था, लेकिन बिना पैसे के चुनाव गड़बड़ाने का डर लग रहा था। संघ के एक पदाधिकारी ने गोंडा कार्यालय बुलाया। 10 हजार रुपये की मदद की। पार्टी 11 में से 10 सीट जीती। अटलजी ने कहा था जीत कर लौटेंगे यहां से। तुलसीदास बताते हैं, मैं 26 साल का था जब अटल बिहारी वाजपेयी 1962 में बलरामपुर का दूसरा चुनाव लड़ने आए थे। यह उनका दूसरा चुनाव था। इसके पहले वाला चुनाव यहीं से जीत चुके थे। तब बलरामपुर गोंडा का ही हिस्सा था। संघ के जिला प्रचारक घर आए और बलरामपुर प्रचार में चलने को कहा। मैं प्रचार करने गया। उस समय कांग्रेस का जलजला हुआ करता था। अटलजी का प्रचार करने राजमाता विजया राजे सिंधिया आई थीं। कई सभाएं हुई थीं। जिस पोलिंग स्टेशन की मुझे जिम्मेदारी मिली, वहां कांग्रेस का 90 प्रतिशत वोट पड़ता था। इसमें काफी फर्जी वोट होते थे। हमने

जाकर कांग्रेस के नेता से कह दिया कि एक भी गलत वोट नहीं पड़ने देंगे। मैं वहीं बैठ गया। 42 प्रतिशत वोट ही पड़ सका। कांग्रेस के वहां के कार्यकर्ता ने मेरे लिए आलू–मटर व चाय मंगाकर नाश्ता कराया और दोपहर बाद चला गया। इसके बावजूद थोड़े वोटों से अटल जी चुनाव हार गए। हम सभी रो रहे थे। अटलजी ने पीठ थपथपाई और कहा बड़ी बहादुरी दिखाई। आज भले हारे, हम जीतकर जाएंगे। 1967 में अटलजी फिर बलरामपुर से लड़े और जीतकर गए। कल्याण सिंह ने शिकायतकर्ता को लगाई फटकार। तुलसीदास बताते हैं, मैं भाजपा का जिलाध्यक्ष था तो उन्हीं दिनों कल्याण सिंह गोंडा आए। यहां लोगों ने मेरी शिकायत की कि मुझे गोंडा जिले के ब्लॉकों की संख्या तक पता नहीं है। कल्याण सिंह ने मंच से ही पूछ लिया। मैंने न सिर्फ संख्या बताई, बल्कि सभी 25 ब्लॉकों का नाम भी बता दिया। कल्याण ने मेरी पीठ ठोंकते हुए शिकायत करने वाले को फटकार लगाई और कहा कि तुलसीदास ने अच्छी मेहनत की है। मैं जिलाध्यक्ष बना रहा। मैंने नेपाल बॉर्डर तक साइकिल और मोटरसाइकिल चलाकर संगठन का काम किया है। फिर 1991 में मेरे जिलाध्यक्ष रहते चुनाव हुआ। गोंडा–बलरामपुर की 11 में से 10 सीटें भाजपा जीती थी। यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि थी। आमने–सामने सपा सरकार ने जो काम शुरू किए थे उसे भी ठप कर दिया। सपा सरकार ने जो कार्य शुरू किए थे, उसे भी इस सरकार ने आकर ठप कर दिया। अखिलेश यादव ने जो किए थे, यह सरकार सिर्फ उसी का उद्घाटन कर रही है। दहशत व विद्वेष फैलाने के सिवाय इस सरकार ने कुछ नहीं किया है। यही इस सरकार की उपलब्धि है। इनके पास काम गिनाने के लिए कुछ खास नहीं है। अखिलेश यादव फिर सत्ता में आएंगे तभी विकास के काम शुरू हो पाएंगे। जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है। जनता सपा की फिर सरकार बनाने जा रही है। – याशर शाह, पूर्व मंत्री व बहराइच के मटेरा से विधायक। गरीबों के कल्याण और विकास के ऐतिहासिक काम हुए। पीएम मोदी व सीएम योगी की डबल इंजन सरकार में गरीब कल्याण व विकास के ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। देवीपाटन मंडल के सभी गांव इसी पांच वर्ष में विद्युतीकृत हुए। सड़कों का जाल बिछा है। बहराइच व गोंडा को मेडिकल कॉलेज की सौगात मिली है। बलरामपुर को केजीएमयू का सेटेलाइट कैंपस मिला है। मेरे विधानसभा क्षेत्र में एशिया की सबसे बड़ी एथेनॉल फैक्टरी लग रही है। दशकों से लंबित सरयू नहर परियोजना पूरी करा दी गई है, पीएम मोदी उद्घाटन करने आ रहे हैं। 300 से अधिक सीटों से फिर योगी सरकार बनने जा रही है।

बीएचयू अस्पताल में 27 नवंबर से हड़ताल पर हैं जूनियर डॉक्टर : मरीजों की बढ़ी परेशानी

वाराणसी ब्यूरो : काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के सर सुंदरलाल अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल से मरीजों की परेशानी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। ओपीडी में सीनियर डॉक्टर बैठ रहे हैं, लेकिन जूनियर डॉक्टरों के नहीं होने से मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा। गुरुवार को न्यूरोलॉजी, चर्म रोग, चेस्ट डिपार्टमेंट आदि विभागों के सामने मरीज स्ट्रेचर पर डॉक्टर का इंतजार करते रहे। परिजन अंदर पर्चा जमा कर गेट पर बाट जोह रहे थे कि मरीजों को अंदर बुलाकर देखा जाए। इधर, चार दिन में दूसरी बार आईएमएस के निदेशक ने जूनियर डॉक्टरों से हड़ताल खत्म कर काम पर लौटने की अपील की है। मांगे पूरी न होने तक हड़ताल की चेतावनी। नीट पीजी काउंसिलिंग में देरी के विरोध में आईएमएस बीएचयू के जूनियर डॉक्टर 27 नवंबर से हड़ताल पर हैं। वह अस्पताल तो रोज आ रहे हैं लेकिन ओपीडी, वार्ड और सामान्य ऑपरेशन में सेवा नहीं दे रहे हैं। उधर, सीटी स्कैन सेंटर के बाहर डॉक्टरों ने प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय प्रशासन से जल्द मांगें मानने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि मांगे पूरी न होने तक वह काम पर लौटने वाले नहीं है। जरूरतमंदों की सेवा में लौटें जूनियर डॉक्टर आईएमएस के निदेशक प्रो. बीआर मित्तल ने जूनियर डॉक्टरों से अपील की है कि वह मरीजों से जुड़ी सेवाएं बाधित न करें और जरूरतमंदों की सेवा में काम पर लौट आए। कहा है कि सर सुंदरलाल चिकित्सालय और ट्रॉमा सेंटर देश की एक बड़ी आबादी की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करता है, जिसमें रेजिडेंट डॉक्टरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज से कार्य बहिष्कार पर रहेंगे संविदा स्वास्थ्य कर्मी वेतन विसंगति, नियमितीकरण, ट्रांसफर नीति, बीमा पॉलिसी आदि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने के विरोध में संविदा स्वास्थ्य कर्मी (चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ) शुक्रवार से कार्य बहिष्कार पर रहकर वाराणसी सीएमओ कार्यालय पर धरना देंगे। अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों पर इमरजेंसी सेवा छोड़कर बाकी अन्य कामकाज

नहीं करेंगे। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. अब्दुल जावेद, मंत्री डॉ. कुंवर अमित सिंह ने सीएमओ और जिलाधिकारी को ज्ञापन के माध्यम से जानकारी दे दी है। पदाधिकारियों ने बताया कि सभी प्रदेश मुख्यालयों पर होने वाले प्रदर्शन में अपनी बात प्रमुखता से रखेंगे। नहीं मिल रहा मानदेय, एएनएम की सीएमओ से नोकझोंक। वाराणसी जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात एएनएम इन दिनों मानदेय न मिलने से परेशान हैं। कई बार आवाज उठाने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई तो बृहस्पतिवार को सीएमओ कार्यालय पहुंचकर एएनएम ने प्रभारी सीएमओ को ज्ञापन देकर मानदेय दिलाने की मांग की। इस दौरान उनकी प्रभारी सीएमओ से नोकझोंक भी हुई। एएनएम ने बताया कि कोरोना काल में जनवरी से टीकाकरण का काम किया जा रहा है। गाइडलाइन के अनुसार टीकाकरण के लिए जो प्रोत्साहन भत्ता मिलना चाहिए, वह भी नहीं मिला। यहीं नहीं हर महीने वेतन से 2300 रुपये कटने के बाद भी अब तक ईपीएफ अकाउंट नंबर नहीं मिल सका है। हालांकि, सीएमओ ने जल्द से जल्द उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है, जिसके बाद एएनएम कार्यालय से वापस लौट गईं।

अंकुर शुक्ला के पिता को सपा नेता पवन सिंह ने दी एक लाख की आर्थिक मदद

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : जब किसी इंसान पर मुसबीत पड़ती है तो उसके अपने होने का दावा करने वाले उससे ऐसा मुह मोड़ लेते है जैसे उनका उस इंसान से कोई रिश्ता ही नही है रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के रामपुर टप्पा गांव के निवासी महेंद्र शुक्ला के घर भी जब मुसीबत आयी तो सभी ने उनका साथ छोड़ दिया गाँव के ही चार युवकों ने महेंद्र शुक्ला के 17 वर्षीय बेटे अंकुर शुक्ला की चाकुओं से मार कर निर्मम हत्या कर दी। गयी। हत्या बाद राजनीतिक रोटियाँ सेकने वालो का महेन्द्र शुक्ला के घर तांता लग गया लेकिन किसी ने महेंद्र शुक्ला के इस दुख की घड़ी में किसी तरह की कोई आर्थिक मदद नही किया। पूर्वांचाल में गरीबो यतीमों असहायों की शान कहे जाने वाले समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी पवन सिंह लगातार महेंद्र शुक्ला के बेटे को न्याय दिलाने के लिए आवाज बुलंद करते रहे शासन प्रशासन को पवन सिंह ने सख्त चेतावनी भी दे दी कि समय रहते हत्यारो को गिरफ्तार करे और सलाखों के पीछे भेजे उनकी चेतावनी का असर भी दिखा तीन हत्यारोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया आज पवन सिंह अपने हजारो समर्थको के साथ अंकुर शुक्ला के पिता से मिलने उनके आवास गए जहाँ पहुच कर पवन सिंह ने महेंद्र शुक्ला के दुख में शामिल हुए सपा नेता पवन सिंह ने अंकुर शुक्ला के पिता से कहा कि आप बिल्कुल भी परेशान मत हो आपका बेटा पवन सिंह इस दुख की घड़ी में आपके साथ खड़ा है अंकुर शुक्ला को

न्याय दिलाने के लिए आखरी सांस तक आपके साथ हूँ सपा नेता पवन सिंह ने बड़ा दिल दिखाते हुए महेंद्र शुक्ला को तत्काल एक लाख रुपये की नगद धनराशि दिया और कहा कि आगे भी मदद जारी रहेगी किसी तरह की कोई चिंता करने की जरूरत नही है पवन सिंह आपके साथ है। मीडिया से बात करते हुए पवन सिंह ने कहा कि पुलिस बचे हुए हत्यारोपी को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेजे जिला प्रशासन से मांग है कि महेंद्र शुक्ला के परिवार अभी भी खौफ के साये में जी रहा है तत्काल सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई जाए पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए एक आवास उपलब्ध करवाया जाए पीड़ित परिवार ब्राह्मण जाति के है पूजा पाठ कर के घर चलाते थे बेटे की मौत से परिवार टूट गया है जिला प्रशासन पीड़ित परिवार को 50 लाख का मुआवजा दे ताकि महेंद्र शुक्ला का परिवार आगे चल सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जंगल कौड़िया प्रभारी द्वारा गर्भवती महिलाओं से 1020 रुपया सुविधा शुल्क लिया जाना बना चर्चा का विषय

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : जंगल कौड़िया स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी निरीक्षक डॉक्टर मनीष चौरसिया द्वारा गर्भवती महिलाओं द्वारा प्रसव के बाद 1020 उनके कर्मचारियों द्वारा सुविधा शुल्क लिया जाता है जबकि 11/10 /2021 दिन सोमवार को रात्रि 8:00 बजे के लगभग माया पत्नी रविंद्र कुमार ग्राम बेलघाट खुर्द जंगल कौड़िया को एडमिट किया गया प्रसव होने के बाद उनसे जबरिया कर्मचारी नर्स द्वारा 1020 की मांग की गई रविंद्र कुमार व उनके पिता रामवेलास द्वारा विरोध करने पर महिला कर्मचारियों ने बताया कि 1020 सुविधा शुल्क निर्धारित है जिसमें से ध्500 हम कर्मचारी बांट लेते हैं और रु 520 केंद्र प्रभारी डॉक्टर मनीष चौरसिया ले लेते हैं।

लखनऊ के उत्तराखंड महोत्सव भवन में 03 दिसंबर को होगी कायस्थों की रैली

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा एवं संगत पंगत उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में पूरे उत्तर प्रदेश कायस्थों की रैली लखनऊ के उत्तराखंड महोत्सव स्थल पर 03 दिसंबर 2021 शुक्रवार को आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए श्री चित्रगुप्त धाम सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान में कायस्थों की शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए भारत रत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद की जयंती पर 03 दिसंबर को कायस्थ हुंकार रैली लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। इस रैली में बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के कायस्थ बंधुओं और बहनों की सहभागिता रहेगी। आगामी 3 दिसंबर को प्रदेश स्तरीय कायस्थ महासम्मेलन के मद्देनजर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा,संगत पंगत के सभी पदाधिकारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष दिशा–निर्देश दे चुके हैं तथा कार्यक्रम को

सफल बनाने के लिए आह्वान भी किया गया है। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज सक्सेना, प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव,चित्रांश महासभा के प्रदेश महामंत्री सुधीर श्रीवास्तव,भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विकास श्रीवास्तव''बाबा'', ने सभी कायस्थों से रैली में शामिल होने की अपील की है।

रात में रंग–बिरंगी लाइटों से जगमगाएगा धाम : 13 दिसंबर को देशवासियों को हो जाएगा समर्पित

वाराणसी ब्यूरो : काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को करेंगे। प्रशासन लोकार्पण उत्सव की तैयारियों में जुटा हुआ है। काशी विश्वनाथ धाम पीएम मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसका काम अंतिम चरण में है। कॉरिडोर अब लाइटों चमचमाने भी लगा है। लोकार्पण के बाद चलो काशी माह भी शुरू हो जाएगा, जिसके तहत धाम में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान काशी देव दीपावली की तरह सजाई जाएगी। काशी विश्वनाथ धाम 54000 वर्गमीटर मे फैला हुआ है। धाम का निर्माण कार्य दो चरणों में पूरा किया जा रहा है। पहले चरण का काम अंतिम चरण में है। पहले चरण की परियोजना में मंदिर चौक, वाराणसी सिटी गैलरी, म्यूजियम, बहुउद्देशीय सभागार, हॉल, भक्त के लिए सुविधा केंद्र, सार्वजनिक सुविधा, मोक्ष गृह, गोदौलिया गेट, भोगशाला, पुजारियों और सेवादारों के लिए आश्रय, आध्यात्मिक पुस्तक पैलेस और अन्य का निर्माण शामिल है।दूसरे चरण में ये काम होंगे पूरे। मंदिर चौक से विश्वनाथ धाम परिसर के साथ ही गंगा दर्शन किए जा सकेंगे। दूसरे चरण में जलासेन घाट और ललिता घाट से रैंप का निर्माण, एस्केलेटर, सांस्कृतिक केंद्र आदि का निर्माण किया जाना है। जलासेन घाट पर गंगा स्नान के बाद धाम में प्रवेश के लिए प्रस्तावित भव्य मुख्य द्वार का निर्माण किया जाना है। दूसरे चरण का निर्माण कार्य 60 करोड़ रुपये में पूरा होगा। अब सामान रखने के लिए भटकने की जरूरत नहीं। काशी

विश्वनाथ धाम में बनाए गए तीन प्रवेश द्वार पर यात्री सुविधा केंद्र तैयार किया गया है। सामान सहित भक्त विश्वनाथ धाम में प्रवेश करेगा और यहां यात्री सुविधा केंद्र में प्रसाधन के साथ ही मोबाइल, बैग सहित अन्य सामान रखा जा सकेगा। यहां से भक्त गंगा घाट और विश्वनाथ मंदिर तक आसानी से पहुंच पाएंगे। वर्तमान में भक्तों को मोबाइल सहित अन्य सामान रखने के लिए स्थान खोजना पड़ता है। देशभर के शिवभक्तों की सहूलियत के लिए काशी विश्वनाथ धाम में सभी प्रदेशों के पर्यटन केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। ताकि प्रत्येक प्रदेश के भक्तों को स्थानीय भाषा सहित अन्य पर्यटन का लाभ मिल सके। इसके लिए यात्री सुविधा केंद्र में ही सभी प्रदेशों के लिए स्थान आवंटित किया जाएगा।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा धान क्रय के सम्बंध में अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा धान क्रय के सम्बंध में अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में जिला खाद्य विपणन अधिकारी द्वारा बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2021–22 के अन्तर्गत धान की खरीद दिनांक 01 नवम्बर, 2021 से प्रारम्भ है। जनपद में जिलाधिकारी द्वारा 06 क्रय संस्थाओं के माध्यम से कुल 155 क्रय केन्द्र अनुमोदित/ संचालित कराये गये है। अभी तक कुल 15017.269 मी0टन 2486 कृषकों से धान खरीद की जा चुकी है। जनपद का खरीद लक्ष्य 133500 मी0टन शासन द्वारा निर्धारित है। उन्होंने सभी किसानो को सूचित किया है कि इस वर्ष समर्थन मूल्य रू०– 1940 प्रति कुं० (कॉमन) तथा रू.–1960 प्रति कुं० (ग्रेड–ए) की दर निर्धारित है। किसान अपना पंजीयन विभागीय पोर्टल ू बि.नच.हवअ.पद पर करायें। कृषक अपना नवीन पंजीयन (खाता नं० अंकित, खतौनी / पहचान पत्र प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं खसरा के आधार पर व मोबाइल नम्बर) कृषक द्वारा जमीन में अपना हिस्सा तथा उसमें बोये धान की घोषणा की जायेगी। यह पंजीयन कृषक स्वयं जनसूचना केन्द्र, इण्टरनेट साईबर कैफे के माध्यम से करायेंगे। पंजीकरण कराये जाने के

उपरान्त किसान भाई अपना धान मानक के अनुरूप अपने नजदीकी क्रय केन्द्र पर वीक्रय हेतु नियत तिथि पर लायेंगे। यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो कन्ट्रोल रूम मोबाइल नम्बर 9452710727 व 9450075741 है व टोल फ्री नम्बर 18001800150 है। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि किसी भी केंद्र पर बोरो की समस्या ना हो, किसानों के लिए बैठने एवं पेयजल एवं बैठने की की उचित व्यवस्था रहे। किसानों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए,किसी भी केंद्र से किसी भी प्रकार की शिकायत न आने पाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामप्रकाश सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेडियम में होगा सांसदों और क्रिकेटरों के बीच मैच : 19 दिसंबर को होगा कार्यक्रम

गोरखपुर ब्यूरो : ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में गोरखपुर के रेलवे स्टेडियम में 19 दिसंबर को मुख्यमंत्री एकादश और केंद्रीय खेलमंत्री एकादश के बीच सद्भावना क्रिकेट मैच होगा। इस मैच में राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटरों के अलावा केंद्रीय मंत्री, सांसद और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री भी अपना दमखम दिखाएंगे। सद्भावना क्रिकेट मैच में जहां केंद्रीय खेलमंत्री एकादश की ओर से जन प्रतिनिधि अपना हुनर दिखाएंगे, वहीं मुख्यमंत्री एकादश में उत्तरप्रदेश के खिलाड़ी शामिल रहेंगे। केंद्रीय खेलमंत्री एकादश में दिल्ली के सांसद और पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी गौतम गंभीर मुख्यमंत्री एकादश से मुकाबला होंगे। साथ ही उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर ध ामी भी शामिल रहेंगे। आयोजक मंडल में मेयर सीताराम जायसवाल, कमिश्नर रवि कुमार एनजी, डीएम सीताराम जायसवाल, नगर आयुक्त अविनाश सिंह और अपर पुलिस महानिदेशक अखिल त्यागी शामिल हैं। केंद्रीय खेलमंत्री एकादश। अनुराग ठाकुर (केंद्रीय खेल एवं युवा विकास मंत्री), किरण रिजिजू (केंद्रीय कानून मंत्री), पुष्कर धामी (मुख्यमंत्री उत्तराखंड), रवि किशन (सांसद गोरखपुर), कमलेश पासवान (सांसद बांसगांव), मनोज तिवारी (सांसद नई दिल्ली), बृजेश पाठक (कानून मंत्री उत्तरप्रदेश), मोहसिन रजा (अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री यूपी), विजय दुबे (सांसद कुशीनगर), गौतम गंभीर (सांसद नई दिल्ली) मुख्यमंत्री एकादश। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी– सुरेश रैना, ज्ञानेंद्र पांडेय, प्रवीण कुमार, पीयूष चावला, भुवनेश्वर कुमार, आरपी सिंह, संदीप त्यागी, अखिल त्यागी (अपर पुलिस महानिदेशक, गोरखपुर जोन), विजय किरन आनंद (डीएम गोरखपुर), अविनाश सिंह (नगर आयुक्त) नगर आयुक्त अविनाश सिंह ने कहा कि यह खिलाड़ियों की प्रथम प्रस्तावित सूची है। अन्य उपलब्ध खिलाड़ियों से भी संपर्क किया जा रहा है। इस मैच के लिए प्रवेश निशुल्क है।

चुनावी पाठशाला में मतदाता बनने का लिया संकल्प

जौनपुर सू.वि. : स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत विकास खण्ड धर्मापुर ब्लाक के सभी 79 परिषदीय विद्यालयों पर खण्ड शिक्षा अधिकारी धर्मापुर प्रिया पाण्डेय के नेतृत्व में चुनावी पाठशाला आयोजित कर लोगों को मतदाता बनने के लिए तथा निर्वाचन शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पूर्व माध्यमिक विधालय खलसहा पर आयोजित चुनावी पाठशाला में खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रिया पाण्डेय ने अभिभावकों, बच्चों, शिक्षक, शिक्षामित्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए सभी की भागीदारी जरूरी हैं। इसके लिए आवश्यक है कि सबसे पहले मतदाता बनें। 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले सभी पात्र लोग मतदाता सूची में अपना नाम पंजीकृत कराये। स्वयं अपना, अपने परिवार के लोगों का नाम मतदाता सूची में जोड़वाये तथा समाज के अन्य लोगों को मतदाता बनने हेतु जागरूक करें। उन्होंने लोगों से अपील किया कि संकल्प लें कि कोई भी पात्र व्यक्ति, महिला, दिव्यांग मतदाता बनने से छूटने न पायें। जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में सभी मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए मतदान कर सकें। चुनावी पाठशाला आयोजित करने में धर्मापुर ब्लाक के सभी शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

प्रारम्भिक परीक्षा–2021 को सकुशल, निष्पक्षता एवं शुचिता पूर्ण संपन्न कराने हेतु बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी आदि (सामान्य/विशेष चयन) प्रारम्भिक परीक्षा–2021 को सकुशल, निष्पक्षता एवं शुचिता पूर्ण संपन्न कराने हेतु जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक स्तर पर सतर्कता, सजगता, अनुशासन एवं समय का पालन करते हुए निष्पक्ष रुप से परीक्षा संपन्न कराई जाए। यह आयोग की महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह परीक्षा 05 दिसम्बर 2021 (रविवार) को पूर्वाहन सत्र 09.30 बजे से 11.30 बजे तक सामान्य अध्ययन, अपरान्ह् 02.30 बजे से 03.30 बजे तक सामान्य हिन्दी (सामान्य शब्द ज्ञान एवं व्याकरण) आयोजित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा तिथि के 01 दिन पूर्व परिसर की साफ–सफाई तथा कमरों में पर्याप्त प्रकाश, बिजली की व्यवस्था कराया जाना आवश्यक है, तथा पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों हेतु अलग–अलग शौचालय की व्यवस्था की जाए। परीक्षा कक्ष में अभ्यर्थियों को अपने साथ किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि लाने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर 02 महिला व 02 पुरुष कांस्टेबल द्वारा परीक्षार्थियों की तलाशी ली जाएगी। परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम डेढ़ घंटे पूर्व पर्यवेक्षक एवं परीक्षा कार्य से सम्बन्ध कार्मिकों का परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अत्यावश्यक है तथा परीक्षा केंद्र पर परीक्षा हेतु नियुक्त सभी कार्मिक/अधिकारियों की एक साथ फोटो परीक्षा से पहले एवं बाद में ली जाए। परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में परीक्षा प्रारंभ होने के समय से 01 घंटा पूर्व प्रवेश दिया जाएगा तथा परीक्षा प्रारंभ होने के नियत समय से 15 मिनट पश्चात परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम प्रकाश के द्वारा विस्तार नोडल अधिकारियों के दायित्व बतायें गये। उन्हाने बताया कि विभिन्न परीक्षा केन्द्र/विद्यालय परिसर के निकट पुलिस डयूटी लगा दी जाये। जब तक पर्यवेक्षक द्वारा अपेक्षा न की जाये, कोई पुलिस कर्मी/पुलिस अधिकारी परीक्षा कक्ष में प्रवेश नही करेगा। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक आर.के. पण्डित, आयोग के प्रतिनिधि अरविन्द पाण्डेय, रमेश चन्द्र यादव, अतिरिक्त उपजिलाधिकारी प्रदीप कुमार, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय उपस्थित रहे।

दरोगा की हुई जमानतः आत्महत्या के लिए उकसाने का है आरोपी

गोरखपुर ब्यूरो : शहाना निशा उर्फ सुहानी की मौत के मामले में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में जेल में बंद दरोगा राजेंद्र सिंह को जमानत मिल गई। कोतवाली पुलिस और शहाना के परिजनों को बिना सूचना दिए ही दरोगा बुधवार को कमरे का ताला खुलवाकर, अंदर रखा अपना सामान उठा ले गया। मकान मालिक ने बताया कि सामान निकालने के बाद, दरोगा ने उससे शहाना के घरवालों से सामान ले जाने की बात बोलने को भी कहा। मकान मालिक से सूचना मिलने पर बृहस्पतिवार को शहाना की मां तहरून्निशां बक्शीपुर स्थित शहाना के कमरे पर सामान ले जाने के लिए पहुंचीं। कमरे के अंदर बेटी का सामान देखकर वह भावुक हो गईं और रोने लगीं। कहा कि एक दिन बाद ही उनकी बेटी को मुंबई जाना था, लेकिन अचानक क्या हुआ कि बेटी की मौत हो गई। बताया कि कमरे के अंदर बाल के गुच्छे कपड़े में लिपटे पड़े हैं। फटे कपड़े भी कमरे के अंदर मिले। पूरा सामान बिखरा हुआ है। उन्होंने शहाना के बैग को दिखाते हुए कहा कि इसी बैग में वैसे ही कपड़े अभी भी रखे हैं। आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की है, दरोगा के साथ कई लोगों ने मिलकर शहाना की हत्या कर दी। बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत भी पुलिस से की, लेकिन पुलिस ने ध्यान नहीं दिया। तहरून्निशां के मुताबिक, मकान मालिक ने बुधवार को उन्हें इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वह भी अपना सामान वहां से ले जाएं। उसी के बाद शहाना की मां अपने परिवार के दो सदस्यों के साथ कमरे पर आईं थीं। उन्होंने बताया कि पूरे मामले में पुलिस की तरफ से उनके या परिवार के किसी और सदस्य का कोई बयान नहीं लिया गया। मुकदमा कमजोर धाराओं में दर्ज किया, तभी इतनी जल्दी दरोगा को जमानत भी मिल गई। कहा कि अभी तक शहाना को इंसाफ दिलाने की लड़ाई लड़ रहीं थीं, लेकिन अब उनकी व परिवार के अन्य सदस्यों की जान पर आफत आ सकती है। एसएसपी को दिया शिकायती पत्र। शहाना की मां तहरून्निशां ने एसएसपी को पत्र लिखकर भी शिकायत की है। लिखा कि उनकी तरफ से 17 अक्तूबर को कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोपित राजेंद्र सिंह अपनी जमानत करवाकर क्वाटर का ताला खुद खुलवाकर सारे साक्ष्य मिटाने के बाद अपना सामान उठा ले गया। इसकी सूचना हमें या परिवार के किसी सदस्य को नहीं दी गई। पत्र में लिखा कि दरोगा धमकी देता है कि अगर अब कोई कार्रवाई की या पुलिस के पास गई तो बेटी के पास ही उसे भी भेज दिया जाएगा।

पीयू के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे पद्मश्री जे. एस. राजपूत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में गुरुवार को दीक्षांत समारोह के संबंध में कुलपति जी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस.मौर्य ने कहा कि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह 10 दिसंबर को होगा। इस संबंध में कुल 51 समितियां गठित की गई है। उन्होंने कमेटी के सभी संयोजकों और सदस्यों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि 25 वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक पद्मश्री प्रोफेसर जे.एस. राजपूत होंगे। प्रोफेसर राजपूत को डी.एससी की मानद उपाधि प्रदान की जाएगी। इस बार 65 विद्यार्थियों को प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के हाथों गोल्ड मेडल दिया जाएगा। इस अवसर पर स्कूली बच्चों को बैग, फल और किट दिए जाएंगे। उन्होंने संयोजकों से प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की। कहा कि जो भी समस्या हो उसका निराकरण संबंधित अधिकारियों से मिलकर शीघ्र करा लें। बैठक का संचालन कुलसचिव महेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय राय, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, प्रो.बीबी तिवारी, प्रो अजय द्विवेदी,प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो.वंदना राय, प्रो.रामनारायण, प्रो.अशोक श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, डॉ.संदीप सिंह, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सौरभ पाल, एनएसएस समन्वयक डॉ.राकेश यादव, डॉ. रजनीश भास्कर, डॉ. सुरजीत यादव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डा.मुराद अली, अन्नू त्यागी, सहायक कुलसचिव अमृत लाल, श्रीमती बबिता सिंह, दीपक सिंह, डॉ अमित वत्स, डॉ.पी.के कौशिक, रामसमुझ, रमेश पाल, करूणा निराला, संजय श्रीवास्तव, लक्ष्मी मौर्य समेत शिक्षक और कर्मचारी मौजूद थे।

22 के चुनाव में होगी महिलाओं की अहम भूमिका डॉ अंजना श्रीवास्तव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : 22 में होने वाले विधानसभा के चुनाव में महिलाओं की होगी अहम भूमिका उक्त बातें काशी क्षेत्र की प्रभारी डॉ अंजना श्रीवास्तव ने मंगलवार को मंत्री गिरीश चंद यादव के

कार्यालय में महिलाओं की बैठक लेकर कहीं इसके बाद उन्होंने महिलाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि जौनपुर जिले के सभी 9 विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से करीब 400 महिलाओं को जोड़ें इस तरह पूरे जनपद में 3600 महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा साथ ही बैठक में उपस्थित भाजपा महिला पदाधिकारियों को यह भी यह निर्देश दिया कि वह जनपद के प्रत्येक घर में जाकर महिला मतदाताओं की सूची बनाएं तथा जिन महिलाओं का नाम मतदाता सूची में नहीं है उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाएं और मतदान के समय उनका मतदान भी अवश्य कराएं इस अवसर पर आयोग की सदस्य शशि मौर्या जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह उपाध्यक्ष राखी सिंह सहित सैकड़ों महिला पदाधिकारी मौजूद रहे।

8 दिसंबर को अपराहन 2:00 बजे निकाली जाएगी शोभायात्रा

आर एल पाण्डेय लखनऊ। तुलसी जन्मभूमि से अयोध्या श्री राम विवाह पर शोभा यात्रा श्री तुलसी जन्म भूमि न्यास एवं सनातन धर्म परिषद द्वारा 8 दिसंबर 2021 अगहन शुक्ल पंचमी को गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत जनपद गोंडा अपरान्ह 2:00 बजे से अयोध्या के लिए श्री सीताराम विवाह के पावन पर्व पर शोभा यात्रा निकाली जाएगी । डॉक्टर स्वामी भगवदाचार्य ने बताया कि सभी धर्म प्रेमी महानुभावों से अनुरोध है कि तुलसी जन्मभूमि तुलसी धाम राजापुर से अयोध्या के लिए यात्रा में सम्मिलित होकर शोभा यात्रा को गौरवान्वित करें । डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जानकारी दी।

सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल का स्थापना दिवस समारोह संपन्न

आर एल पाण्डेय लखनऊ। सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल हरदोई रिंग रोड बुद्धेश्वर का स्थापना दिवस समारोह आज 2 दिसंबर को हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। विद्यालय के संस्थापक श्री तेज बहादुर सिंह एवं श्रीमती

गंगोत्री देवी, प्रबंधिका श्रीमती शीला सिंह की उपस्थिति में बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उत्कृष्ट एवं प्रतिभाशाली छात्र– छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर शिक्षक–शिक्षिकाएं एवं छात्र – छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यालय की उन्नति का श्रेय प्रबंधिका द्वारा विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती ऋतु धमीजा और समस्त अध्यापक अध्यापिकाओं को दिया गया।

दो दिन में 190 कंपनियों ने दिए 810 जॉब ऑफर : सबसे अधिक 2.05 करोड़ का पैकेज

वाराणसी ब्यूरो : आईआईटी बीएचयू में चल रहे कैंपस प्लेसमेंट के दूसरे दिन तक 750 से अधिक छात्रों का चयन हो चुका है। अब तक की प्रक्रिया में बुधवार को सबसे अधिक 2.05 करोड़ का पैकेज मिला था, जबकि दूसरे दिन के पहले स्लॉट में सबसे अधिक 35 लाख का पैकेज छात्रों को मिला। जैसे–जैसे प्रक्रिया आगे बढ़ती जा रही है, छात्रों का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। आईआईटी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के देखरेख में चल रहे कैंपस प्लेसमेंट के लिए इस साल कुल 1365 छात्रों ने अपना पंजीकरण कराया था। इसके हिसाब से ही साक्षात्कार की प्रक्रिया चल रही है। राजपुताना छात्रावास में गुरुवार तक कुल 190 कंपनियों ने 810 ऑफर दिए। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि पिछले साल इस समय तक 142 कंपनियों ने 498 ऑफर दिए थे। इस हिसाब से इस बार अधिक है। बृहस्पतिवार को पहले स्लॉट तक 37 कंपनियों ने 140 ऑफर दिए। पंजीकृत कुल छात्रों में आधे से अधिक का चयन। इसमें सबसे अधिक 35 लाख सालाना जबकि सबसे कम 12 लाख का पैकेज छात्रों को मिला। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि प्लेसमेंट की प्रक्रिया में अब तक पंजीकृत कुल छात्रों में आधे से अधिक का चयन हो चुका है।

नए साल से पहले पीएम देंगे बड़ी परियोजनाओं की सौगात : कई समस्याओं से मिल जाएगी निजात

वाराणसी ब्यूरो : नए साल से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी को बड़ी परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनके जरिए शहरवारियों को बड़ी समस्याओं से निजात मिलने की उम्मीद है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बेनियाबाग पार्किंग और खिड़किया घाट परियोजना शामिल हैं। इसमें वाराणसी आने वाले को न केवल जाम से नहीं जुझना होगा, बल्कि पर्यटकों को भी नए ठिकाना मिलेगा। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को काशी विश्वनाथ के लोकार्पण के लिए दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे किसी विकास परियोजना का लोकार्पण और शिलान्यास नहीं करेंगे। इसके बाद 23 दिसंबर को पीएम के आगमन की सूचना के बाद लोकार्पण और शिलान्यास की सूची तैयार की जा रही है। इसमें वर्षों से जाम की समस्या से जूझ रहे शहर के हृदयस्थल को अब राहत मिलेगी। बेनियाबाग में भी पार्किंग बनकर तैयार है। संभावना जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 दिसंबर को यह पार्किंग स्थल भी जनता को समर्पित कर सकते हैं। इसके साथ ही वे खिड़किया घाट पर बन रहे सर्वसुविधा संपन्न पर्यटन केंद्र का भी लोकार्पण कर सकते हैं। बेनिया बाग पार्किंग एक नजर में – 90.41 करोड़ रुपये की लागत से बेनियाबाग क्षेत्र में बना पार्क व अंडरग्राउंड पार्किंग। – 16,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में किया गया निर्माण। – 470 चार पहिया वाहन यहां पार्क किए जा सकेंगे। – 130 दो पहिया वाहनों को खड़ा करने की है व्यवस्था। – यहां फुटबाल ग्राउंड, एम्यूजमेंट एरिया, ओपेन जिम, योग गार्डन आदि की व्यवस्था की जा रही है। खिड़किया घाट एक नजर में – 35.83 करोड़ रुपये की लागत

से खिड़किया घाट का पुनरुद्धार कार्य। – 29 करोड़ रुपये की लागत से 600 मीटर पक्काघाट का निर्माण। – सीएनजी नावों के लिए फिलिंग स्टेशन, एंफीथिएटर, चिल्ड्रेन पार्क, जीटी रोड से लिंक रोड बन रही है। – पर्यटन सुविधा केंद्र, टिकट बूथ, कैफेटेरिया, पब्लिक प्रोमिनार्ड वॉल आर्ट व म्यूरल, सेल्फी पॉइंट, योग व मेडिटेशन केंद्र का भी निर्माण हो रहा है। आईओएफ (इंडियन ऑयल फाउंडेशन) ने सीएसआर के तहत करीब आधा दर्जन कार्य शुरू कराए हैं। एक नजर में अन्य परियोजनाएं – एचयू में 130.03 करोड़ रुपये की लागत से चिकित्सकों व नर्सों के लिए हॉस्टल तथा धर्मशाला। – रमना में 161.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 50 एमएलडी क्षमता का एसटीपी। – शहर के विभिन्न स्थानों पर 128.04 करोड़ रुपये की लागत से सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉलेशन। – बीएचयू में 107 करोड़ रुपये की लागत से आईयूसीटीई भवन। – बीएचयू में ही 60.63 करोड़ रुपये की लागत से पैकेज–1 के तहत जोधपुर कॉलोनी में 80 आवासीय फ्लैट।

बीएचयू में 10 दिसंबर से ऑनलाइन होंगी सेमेस्टर परीक्षाएं : परीक्षार्थी इन बातों का रखें ध्यान

वाराणसी ब्यूरो : काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में परीक्षा की तैयारी में लगे विद्यार्थियों के लिए जरूरी खबर है। उनकी सेमेस्टर की परीक्षा दस दिसंबर से शुरू होगी। पिछली बार की तरह इस बार भी विश्वविद्यालय की ओर से ओपन बुक परीक्षा प्रणाली के तहत परीक्षा कराई जाएगी। इसमें छात्र–छात्रा घर बैठकर सवालों का जवाब दे सकते हैं। परीक्षा खत्म होने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पोर्टल पर ही कॉपी को अपलोड करना होगा। कोरोना संक्रमण की वजह से ही पिछली बार ओपन बुक सिस्टम से विश्वविद्यालय की परीक्षा कराई गई थी। इस बार भी स्नातक, स्नातकोत्तर में तीसरे, पांचवें, सातवें और नौवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 दिसंबर से 28 दिसंबर तक चलेंगी। विश्वविद्यालय परीक्षा नियंता कार्यालय की ओर इसका आदेश भी जारी कर दिया गया है। इसके बारे में बीएचयू की वेबसाइट से पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। परीक्षा वाले दिन परीक्षा शुरू होने से आधा घंटे पहले ही छात्रों को पोर्टल पर लॉगिन करना होगा। इसके बाद पेपर डाउनलोड किया जा सकेगा। पोर्टल पर ही पूरी जानकारी दी रहेगी। साढ़े चार घंटे के पेपर में ही प्रश्न पत्र के डाउनलोड करने का भी समय दर्ज है।समस्याओं का निस्तारण करेगी कमेटी। ऑनलाइन परीक्षा के दौरान अगर छात्रों को किसी तरह की कोई समस्या आती है तो उसके लिए परीक्षा विभाग की ओर से कमेटी का भी गठन किया गया है। संबंधित छात्र यहां संपर्क कर अपनी समस्या बता सकते हैं। कमेटी से जुड़े लोगों के नंबर स्टूडेंट पोर्टल पर देखने को मिलेगा।

दवा कराने शहर आ रहे दंपती को ट्रक ने रौंदा : महिला की मौत

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर के खोराबार के मोतीराम अड्डा चौराहे पर शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। सुबह 9 बजे के करीब दवा कराने शहर आ रहे दंपती को ट्रक ने रौंद दिया। दुर्घटना में महिला की मौत हो गई जबकि उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पति को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। झंगहा थाना क्षेत्र के खैरखुटा निवासी रामआशीष यादव अपनी पत्नी मीरा देवी (40) के साथ शुक्रवार की सुबह बाइक से लेकर शहर की ओर जा रहे थे। उन्हें अपनी पत्नी का शहर के एक डॉक्टर के पास दवा कराना था। जैसे ही वे मोतीराम अड्डा चौराहे पर पहुंचे तभी गोरखपुर की ओर से देवरिया की तरफ जा रहे ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। उधर सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल रामआशीष को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया और मीरा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। मृतक महिला तीन बच्चों की मां थी।

गोरखपुर विश्वविद्यालय व डिग्री कॉलेजों में अब छात्रसंघ चुनाव संभव नहीं : जानिए क्या है वजह

गोरखपुर ब्यूरो : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव का होना, अब संभव नहीं दिख रहा है। चुनाव के लिए लिंगदोह कमेटी ने जो सिफारिश की है, उसके मुताबिक सत्र शुरू होने के आठ सप्ताह के अंदर छात्रसंघ चुनाव संपन्न कराना होता है। इस अवधि के बाद चुनाव नहीं कराया जा सकता है। यह अवधि सितंबर में ही बीत चुकी है। जानकारी के मुताबिक विवि व संबद्ध कॉलेज प्रशासन छात्रसंघ चुनाव कराने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। विवि की कमेटी ने छात्रसंघ चुनाव पर जो रिपोर्ट दी है, उसपर कानूनी सलाह मांगी गई है। पूछा गया है कि लिंगदोह समिति के अनुसार चुनाव कराना उचित रहेगा या नहीं? शासन से भी कोई स्पष्ट दिशा–निर्देश नहीं मिले हैं। ठीक इसी तरह डीएवी डिग्री कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शैल पांडेय ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड से सलाह मांगी है। चुनाव की सुगबुगाहट फिलहाल कहीं किसी कॉलेज में नहीं है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विश्वेश्वर प्रसाद ने भी स्पष्ट कर दिया है कि छात्रसंघ चुनाव पर कॉलेज प्रबंधन को खुद फैसला लेना है। इस मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन का कोई हस्तक्षेप नहीं रहेगा। सात साल से नहीं हुआ चुनाव। गोरखपुर विश्वविद्यालय में अंतिम बार छात्रसंघ चुनाव साल 2016 में हुआ था। वर्ष 2017 में चुनाव की तिथि घोषित हुई लेकिन चुनाव के ठीक पहले दो पक्षों में मारपीट के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। इस वर्ष छात्र नेताओं में चुनाव की उम्मीद जगी और उनकी ओर से लगातार ध रना–प्रदर्शन भी होने लगा। डीएवी पीजी कॉलेज और दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में छात्र नेताओं ने छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि

छात्रसंघ चुनाव के बारे में शासन से निर्देश मांगा गया है। एक कमेटी भी गठित की गई थी जिसकी रिपोर्ट पर विधिक राय मांगी गई है। सुझाव के अनुसार आगे निर्णय लिया जाएगा। डीएवी पीजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. शैल पांडेय ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव के संबंध में विश्वविद्यालय के कुल सचिव का पत्र मिला है। चुनाव के बारे में अपने स्तर पर निर्णय लेना है। अब प्रॉक्टोरियल बोर्ड से सुझाव मांगा गया है। डीवीएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ओपी सिंह ने कहा कि लिंगदोह कमेटी के निर्णय के अनुसार अगर चुनाव की गुंजाइश बनती है तो सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। पाठन–पाठन को डिस्टर्ब नहीं कर सकते हैं। नई शिक्षा नीति के तहत सेमेस्टर परीक्षा भी करानी है। एमपी पीजी कॉलेज में हर वर्ष चुनाव। एमपी पीजी कॉलेज हर वर्ष छात्रसंघ चुनाव कराकर एक मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव का कहना है कि कोरोना काल में भी हमने ऑनलाइन छात्रसंघ चुनाव कराया। इस वर्ष 30 सितंबर को चुनाव कराया गया था।

अपूर्ण व ताला लगे सामुदायिक शौचालय की कवरेज करने गए पत्रकार को दी धमकी : पत्रकारो में दिखा रोष

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर संवाददाता)प्रदेश सरकार जहां एक तरफ पत्रकारों की सुरक्षा व संरक्षण का वादा करती है तो उसके बेलगाम अधिकारी व कर्मचारी द्वारा पत्रकारों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर धमकी दी जा रही है।ऐसा ही एक मामला विकास खण्ड रूदौली के जमुनियामऊ गांव में सामने आया।सरकार द्वारा जनता की सुविधा के लिए बनवाए गए सामुदायिक शौचालय की हकीकत जानने के लिए पत्रकारों की एक टीम विकास खण्ड रूदौली के ग्राम पंचायत जमुनियामऊ पहुंची तो वहां पर बने समुदायिक शौचालय अपूर्ण व ताला लगा हुआ मिला।पत्रकार ने जब अपूर्ण सामुदायिक शौचालय में ताला लगा होने के सम्बंध में तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव अंकुर यादव से अपूर्ण सामुदायिक शौचालय में ताला लगा होने की जानकारी मोबाइल फोन करके चाही तो ग्राम पंचायत सचिव अंकुर यादव ने फोन पर बताया कि अपूर्ण पड़ा है तो किया हुआ अभी बहुत सी ग्राम पंचायतो में अपूर्ण है।इस सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी अखिलेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जांच कर कार्यवाही की जाएगी और उसे अविलम्ब दुरुस्त कराया जाएगा।वहीं ग्राम प्रधान जमुनिया प्रतिनिधि ने बताया कि शौचालय को पंचायत सचिव ने अपनी निगरानी में ठेकेदारों द्वारा बनवाया है।इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है।इस खबर के चलने पर बौखलाए पंचायत सचिव अंकुर यादव ने धमकी

देते हुए कहा कि जहां शिकायत करनी है करलो मेरा कोई कुछ कर नहीं पायेगा। ग्राम पंचायत सचिव के इस कृत्य से आक्रोशित उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन रुदौली के बैनर तले एक बैठक में लापरवाह व बेलगाम पंचायत सचिव अंकुर यादव के क्षेत्र में विकास कार्यों की जांच कराके दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करवाने की मांग उच्च अधिकारियों से करने का निर्णय लिया है।इस मौके पर उपजा के जिला उपाध्यक्ष जय प्रकाश गुप्ता,जिला सचिव जगदम्बा श्रीवास्तव,तहसील अध्यक्ष अब्दुल जब्बार एडवोकेट,उपाध्यक्ष डॉ0 मो0 शब्बीर,संगठन मंत्री विकास वीर यादव,अलीम कशिश,काजी इबाद शकेब,सतीश यादव,अरसलान शेख,दरवेश खान,अनिल पांडेय,रियाज अंसारी आदि मौजूद रहे।

छः दिसम्बर को लेकर अयोध्या हुई छावनी में तबदील : एसएसपी ने सुरक्षा कर्मियो के साथ स्वयं ली चप्पे–चप्पे की तलाशी

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) विवादित ढांचा विध्वंस की बरसी से पूर्व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी अयोध्या छावनी में तब्दील हो गई है।इसके साथ ही अयोध्या जिले को हाई अलर्ट पर रख दिया गया है।राम जन्मभूमि परिसर से सटे क्षेत्रों की जांच–पड़ताल की गई।सभी प्रवेश मार्गों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।वही जांच के बाद ही लोगों को अयोध्या धाम में प्रवेश दिया जा रहा है।गुरुवार को दिन भर सीआरपीएफ और ब्लैक कैट कमांडो के बूटों की आवाजें ही सुनाई दीं।जिसकी कमान जिले के एसएसपी शैलेश कुमार पाण्डेय ने स्वयं संभाल रखी थी।छः दिसम्बर को देखते हुये राम नगरी अयोध्या की सुरक्षा बढ़ा दी गई।वही खुफिया संगठनों ने सभी पहलुओं पर पुलिस के साथ मिलकर जांच शुरू कर दी है।खुफिया एजेंसियां भीड़ भाड़ वाले इलाके व होटल –धर्मशालाओ में संदिग्धों की तलाश में जुटी रही।मंदिरों में भी लोगों को अलर्ट रहने को कहा गया है।इसके साथ ही रोडवेज, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन सहित अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों या रुकने वाले स्थानों पर चेकिंग कराई जा रही

है। एसएसपी शैलेश पांडेय खुद मोर्चा संभाले हुए थे।राम जन्मभूमि व अन्य मंदिरों ने एसएसपी ने जाकर सुरक्षा का जायजा लिया।इसके साथ ही साथ उन्होने अपने टीम के साथ पूरे दिन अयोध्या की सड़कों पर भ्रमण भी किया।इस संबंध में उन्होने बताया कि अयोध्या हमेशा से सुरक्षा को लेकर अलर्ट पर रहती है।विभिन्न अवसरों पर यहां सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के द्वारा निर्देश जारी किये जाते हैं।मंदिर निर्माण के मद्देनजर रामलला व बन रहे मंदिर के साथ श्रीरामजन्मभूमि न्यास कार्यशाला की सुरक्षा भी बढ़ाई गयी है।वही चप्पे–चप्पे पर ब्लैक कैट कमांडो के दस्ते को तैनात किया गया है। पुलिस के अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ यलो जोन में रूट मार्च किया।सभी सुरक्षा के पॉइंट एक्टिवेट किए गए है। क्षेत्राधिकारी अयोध्या के नेतृत्व में संपूर्ण यलो जोन पर एटीएस की टीम ने निरीक्षण किया।अयोध्या के सभी बैरियर पर सघन चेकिंग की जा रही है।

बम से उड़ाने की धमकी भरी कॉल के बाद अयोध्या छावनी में हुई तब्दील : एसएसपी ने बताया की गई रुटीन चेकिंग

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर संवाददाता)गुरुवार को राम नगरी को बम से उड़ाने की धमकी भरी कॉल के बाद जिले की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कड़ी कर दी गई।एटीएस और यूपी एसटीएफ की टीम मुस्तैद रही।वही इस संबंध में एसएसपी शैलेश कुमार पांडे के नेतृत्व में पूरी अयोध्या पुलिस ने सड़कों पर चेकिंग अभियान चलाया।परंतु इस बात को एसएसपी अयोध्या ने खारिज करते हुये कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है।यह हमेशा की रुटीन चेकिंग है।इस मौके पर राम नगरी अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर की बढ़ी सुरक्षा बडीध है।अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था काफी कडीध होने के बाद समस्त अयोध्या पुलिस सड़कों पर उतर गई।एसएसपी अयोध्या शैलेश कुमार पांडे के नेतृत्व में संपूर्ण अयोध्या में चेकिंग अभियान चलाया गया।एसएसपी ने स्वाट टीम व बम निरोधक दस्ते के साथ राम जन्मभूमि परिसर का निरीक्षण किया। इस मामले में एसएसपी अयोध्या शैलेश कुमार पांडे ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा पूरे अयोध्या में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।इसके अलावा राम जन्मभूमि मंदिर परिसर व हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। चप्पे–चप्पे पर रखी जा रही है नजर, वही जब उनसे कंट्रोल रूम में आए कॉल के बारे में पूछा गया तो उस पर एसएसपी अयोध्या ने कहा कि कॉल की वजह से नहीं चल रहा चेकिंग अभियान।पुलिस लगातार स्वयं घूम घूम कर चेकिंग अभियान चलाती रहती है।वही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे सड़कों का भ्रमण करके सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे।एसएसपी अयोध्या ने कहा कि अयोध्या उत्तर प्रदेश के अति संवेदनशील जिलों में आता है।इसीलिए इसकी सुरक्षा व्यवस्था कि दृष्टि से आज पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है।

फाफामऊ में दलित किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म और परिवार के हत्या के विरोध में सपा ने दिया मांगपत्र

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जनपद प्रयागराज के फाफामऊ में दलित किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म और परिवार के चार सदस्यों की कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या के विरोध में विधान सभा क्षेत्र रुदौली समाजवादी पार्टी से दावेदार विनोद कुमार लोधी एडवोकेट की अगुवाई में राज्यपाल उत्तर प्रदेश को संबोधित 4 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी रुदौली को सौंपा।इस ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि फाफामऊ जनपद प्रयागराज में दलित किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म और परिवार के चार सदस्यों की कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या किए जाने वाले ऐसे हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए।मृतक के परिजनों को दो–दो करोड रुपए मुआवजा दिलाया जाए।परिजनों के एक व्यक्ति को नौकरी दी जाए।मृतक के परिजनों की सुरक्षा किया जाए व मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराया जाए।उत्तर प्रदेश सरकार किसानों,दलितों,वंचितों,शोषित और गरीब तबकों के लोगों पर लगातार अत्याचार कर रही है उत्तर प्रदेश की सरकार पूर्णतया निरंकुश हो गई है इनके कृतियों पर लगाम लगाई जाए।पासी समाज के 4 व्यक्तियों की हत्या व दुष्कर्म करने वालों को फांसी की सजा दिलाई जाए।ज्ञापन देने वालों में कुलभूषण यादव,चौधरी अजीमुद्दीन,साहब करण वर्मा,उत्तम कुमार वर्मा,मो0 फहीम खान,संतराम रावत,राम महेश रावत,राम तीरथ रावत,रामेश्वर रावत,अंगद यादव,मो0 कलीम

खान,हरिनारायण यादव,बालेंद्र सिंह, अलगू प्रसाद लोधी,भाई लाल लोधी, शिव बहादुर लोधी,रमेश कुमार लोधी,राकेश कुमार लोधी,प्रमोद कुमार यादव,विष्णु पाल राजपूत, अजय कुमार यादव,कमरुद्दीन अहमद, वकार आलम, इम्तिराज आजम, अमरनाथ यादव,गुंजीत कुमार, नंद किशोर यादव,जीत बहादुर यादव, अमरेंद्र नाथ मिश्रा सहित तमाम सपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस पार्टी से विधानसभा टिकट के आवेदक कम से कम दस हजार सदस्य बनाएं–हनुमंत विश्वकर्मा

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता अयोध्या) कांग्रेस सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक पार्टी कार्यालय कमला नेहरू भवन में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं संचालन महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने किया। बैठक में मौजूद प्रदेश सचिव जनपद प्रभारी हनुमंत विश्वकर्मा ने उपस्थित कांग्रेसजनों को सदस्यता अभियान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा निर्देश अनुसार पूरा करने को कहा।उन्होंने अब तक हुए सदस्यता अभियान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसकी सराहना की एवं जनपद के समस्त विधानसभाओं से आवेदन किए हुए प्रत्याशियों को कम से कम 10000 सदस्यता 10 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य दिया। श्री विश्वकर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा कि जो भी आवेदक उक्त टारगेट को पूरा नहीं करेगा उसके नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा सदस्यता के साथ–साथ श्रीमती प्रियंका गांधी द्वारा ली गई प्रतिज्ञाओ को जन–जन तक पहुंचाना है जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव व महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने प्रभारी को विश्वास दिलाया कि जो भी टारगेट जनपद को मिला है उसे पूरा करने में कांग्रेसजन कोई कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। जिला प्रवक्ता मोहम्मद शरीफ ने बताया कि समीक्षा बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव सुनील पाठक,युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय तिवारी,युवा नेता शरद शुक्ला,राम बहादुर सिंह,दिनेश शुक्ला,शैलेश शुक्ल,रामनरेश मौर्य,बृजेश रावत,राजेश तिवारी बाबा,भीम शुक्ला,अब्दुल हकीम , राजदेव वर्मा रामचरित्र मौर्य,इंद्रोहन यादव,श्रीमती रीता मौर्य,श्रीमती नीलम कोरी,भोला यादव,अजीत मौर्य, अमरजीत रावत बलवीर सिंह कोरी राकेश यादव गुड्डू वीरेंद्र सैनी आदि कांग्रेसजन मौजूद रहे।

भारत सरकार और राज्य सरकार उन सपनों को पूरा करने के लिए संकल्पित एवं प्रयासरत है – महापौर ऋषिकेश उपाध्याय

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर संवाददाता)समाज के अंतिम व्यक्ति का सर्वांगीण विकास हो यह विचार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के थे आज भारत सरकार और राज्य सरकार उन सपनों को पूरा करने के लिए संकल्पित एवं प्रयासरत है उक्त विचार नगर निगम अयोध्या द्वारा भारत सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित नगरी क्षेत्र के मलिन बस्तियों में उड़ान यूपी कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में ग्राम जनौरा की मलिन बस्ती में उपस्थित महिलाओं जन सामान्य को संबोधित करते हुए ऋषिकेश उपाध्याय महापौर नगर निगम अयोध्या संबोधित कर रहे थे।श्री उपाध्याय ने कहा कि जिन गरीबों को प्रधानमंत्री आवास और शौचालय कतिपय कारणों से नहीं मिल पाए हैं।उन सभी का बहुत जल्दी ही सर्वेक्षण कराया जाएगा।उसके उपरांत अभिलेख ही औपचारिकताएं पूर्ण करके लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास और शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों का आवाहन करते हुए कहा कि आपकी सहभागिता जागरूकता नगर निगम की कार्य क्षमता को गतिशील बनाएगा।इसलिए नगर निगम द्वारा जो भी सुविधाएं उपलब्ध है।उनमें लगे अधिकारी कर्मचारी क्रियाशील रहे।अपने दायित्वों का निर्वाहन प्रतिबद्धता के साथ करें इसके लिए जरूरी है।नागरिक सुविधाओं के लिए जागरूक हो और रचनात्मक सहयोग भी प्रदान करें। इस अवसर पर विशाल सिंह नगर आयुक्त नगर निगम अयोध्या ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार अयोध्या नगर निगम क्षेत्र की 15 मलिन बस्तियों को चिन्हित करके स्वास्थ्य स्वरोजगार बच्चों का टीकाकरण गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण कुपोषण मुक्त परिवार स्वच्छता जागरूकता स्वास्थ्य विभाग जिला नगरीय विकास अभिकरण श्रम विभाग यूनिसेफ बाल विकास एवं पुष्टाहार सभी विभागों का सहयोग प्राप्त करते हुए मलिन बस्तियों के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।इस मौके पर श्री सिंह ने कहा कि मलिन बस्तियों में जो भी विकास कार्य हैं और उससे जुड़े हुए जो विभाग और अधिकारी कर्मचारी हैं वह सरकार की मंशा के अनुरूप तथा उड़ान कार्यक्रम अंतर्गत जो भी योजनाएं कार्यक्रम निर्धारित हैं।उनका क्रियान्वयन शत प्रतिशत किया जाना चाहिए।इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता उचित नहीं होगी।उड़ान कार्यक्रम अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को फल की टोकरी प्रदान की गई और 6 माह के जो शिशु थे।उनको अन्नप्राशन महापौर जी ने और नगर आयुक्त ने कराया इस वृहद कार्यक्रम में विभिन्न पोस्टरों और नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से मलिन बस्ती के नागरिकों को जागरूक करने के भी कार्यक्रम संपादित किए गए इस कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि जनौरा राकेश सिंह, सच्चिदानंद सिंह अपर नगर आयुक्त,शशि भूषण राय अपर नगर आयुक्त ,डॉक्टर अंकिता शुक्ला सहायक नगर आयुक्त,रामकिशोर यादव जनसंपर्क अधिकारी नगर निगम, जय सिंह प्रतिनिधि यूनिसेफ , मीनाक्षी पांडे सीडीपीओ , रोहित प्रताप श्रम प्रवर्तन अधिकारी ,स्वास्थ्य विभाग से एवं शीलू सिंह संजू सिंह सहित बड़ी तादाद में महिलाएं और नागरिक उपस्थित थे।इस कार्यक्रम का संचालन सच्चिदानंद सिंह अपर नगर आयुक्त तथा सभी आगंतुकों के प्रति आभार शशि भूषण राय अपर नगर आयुक्त ने व्यक्त किया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह' के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में जिले स्तर पर साकेत महाविद्यालय के छात्रों ने लहराया परचम

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता) कामता प्रसाद सुंदर लाल सकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय अयोध्या के एक्टिविटीज क्लब के द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत विविध प्रतियोगिताओं में अपना स्थान बनाने वाले छात्र/छात्राओं ने जनपद स्तर पर आयोजित कविता लेखन/ स्लोगन लेखन, क्विज एवं पोस्टर/डिजिटल कोलाज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।इस क्विज प्रतियोगिता में जहां राजकुमार जायसवाल बीएड प्रथम वर्ष के छात्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वही कविता व स्लोगन लेखन में दिशा श्रीवास्तव बीए प्रथम वर्ष की छात्रा ने तथा पोस्टर/डिजिटल कोलाज प्रतियोगिता में प्रियंका सोनकर बीए प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।क्विज प्रतियोगिता में मोहम्मद मुजाहिद रजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि सभी प्रतियोगिताओं में साकेत महाविद्यालय के छात्रों ने अधिक से अधिक स्थान बनाने में सफल रहे इसका श्रेय इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अखिलेश कुमार को जाता है, जिन्होंने कड़ी मेहनत से बच्चों को तैयार करके जनपद स्तर पर सफलता दिलाई। अब इसके बाद मंडल स्तर व प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में बच्चे प्रतिभाग करेंगे।इसके पहले साकेतमहाविद्यालय के जे पी एन सिंह सभागार में 27 नवंबर 2021 को महाविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरविंद सिंह ने मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया तथा सड़क सुरक्षा के नियमों को बताते हुए उसका पालन करने के लिए कहा साथ ही उन्होंने कहा कि यदि जीवन की रक्षा करनी है तो सड़क सुरक्षा बहुत जरूरी है, यदि हम सुरक्षित रहेंगे तो हम दूसरों को भी सुरक्षित रख सकते हैं।इसके साथ ही एक्टिविटीज क्लब के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा की सतत अध्ययन के साथ ही अन्य एक्टिविटीज अर्थात क्रियाकलापों में भी प्रतिभाग करते हुए सभी छात्रों को अपना सर्वांगीण विकास करना चाहिए। प्राचार्य जी अपने आशीर्वचन प्रदान करते हुए कार्यक्रम के सफल समापन की शुभकामनाएं दी साथ ही महाविद्यालय के मुख्य नियंता डॉ. अनिल सिंह, छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. बी.डी. द्विवेदी ने यातायात के नियमों के विषय में बताया। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत 5 प्रतियोगिताएं हुईं, जिनके नाम इस प्रकार हैं– स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिल्पी श्रीवास्तव बीएससी द्वितीय वर्ष,, द्वितीय स्थान दिशा श्रीवास्तव बी ए प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान नीतू कुमारी एमएससी प्रथम वर्ष, कविता लेखन प्रतियोगिता प्रथम स्थान रत्नेश कुमार बीए प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान आयुषी यादव बीए प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान कलाधर पांडेय एम ए फाइनल ईयर। क्विज प्रतियोगिता प्रथम स्थान मो. मुजाहिद रजा बीए प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान अतुल वर्मा बीएड प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान राजकुमार जायसवाल बीए प्रथम वर्ष, पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रियंका सोनकर बीए प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान दीपक विश्वकर्मा बीए द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान आंचल मौर्य बीए प्रथम वर्ष एवं डिजिटल कोलाज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नागेंद्र यादव बीएड प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान राजेश कुमार साहू बीएड प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान अल्पना आर्या बीएड प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। उक्त सभी प्रतियोगिताओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए 5 सदस्यीय टीम गठित की गई थी। इस जागरूकता अभियान के अवसर पर आदरणीय प्राचार्य ने सभी को यातायात नियम व सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण में महाविद्यालय के मुख्य नियंता छात्र कल्याण अधिकारी एवं अन्य प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। उसके पश्चात रोवर्स लीडर डॉ अखिलेश कुमार व रेंजर्स लीडर डॉ. ऋचा पाठक जी के निर्देशन में रोवर्स/रेंजर्स के द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता पर एक नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। उसके पश्चात सड़क सुरक्षा जागरूकता से संबंधित रैली निकाली गई, जिसमें रोवर्स रेंजर्स, एनसीसी, एनएसएस, नेवल विंग एवं सेंट जॉन एंबुलेंस के बच्चों के साथ ही अन्य सभी विद्यार्थी प्रतिभाग किये। यह रैली हो रही दुर्घटनाओं को रोकने व लोगों को जागरूक करने के लिए निकाली गई। परिवहन विभाग के द्वारा यातायात के नियमों का पालन न करने से हो रही दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए यह बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। वह निश्चित रूप से आए दिन हो रही दुर्घटनाओं को रोकने में सफल सिद्ध होगा।इस प्रतियोगिता में डॉ. सरला शुक्ला, डॉ. वेद प्रकाश वेदी, डॉ. असीम त्रिपाठी, डॉ. छाया सिंह, डॉ. रामलाल विश्वकर्मा, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में डॉ. कविता सिंह, डॉ. वंदना जायसवाल, डॉ. संतलाल, डॉ. रविकुमार चौरसिया। क्विज प्रतियोगिता में डॉ. ऋचा पाठक, डॉ. मुकेश कुमार पांडेय, डॉ. अखिलेश कुमार सिंह, डॉ. अंजू, डॉ. नीलम, डॉ. अविनाश तिवारी।पोस्टर प्रतियोगिता में डॉ. विनय कुमार सिंह, डॉ. शशि सिंह, डॉ. शशि कुमार, डॉ. संतोष कुमार सरोज। कोलाज प्रतियोगिता में डॉ. अजय कुमार मिश्र, डॉ. अंबरीश श्रीवास्तव, डॉ. अनामिका माथुर, डॉ. बालगोविंद ने संयोजन एवं निर्णायक की भूमिका निभाई। आज उक्त जागरूकता कार्यक्रम में डॉ मनोज छपडिया, डॉ. शिवकुमार तिवारी, डॉ. रीता सिंह, डॉ. रीता दुबे, डॉ. ओम प्रकाश यादव, डॉ. आशीष सिंह, डॉ. नागेंद्र सिंह आदि महाविद्यालयीय प्राध्यापक कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।इस कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ अशोक कुमार मिश्रा रहे।वही इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अखिलेश कुमार ने किया।

समाजवादी पार्टी की विशाल मीटिंग 4 दिसंबर को

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता अयोध्या) समाजवादी पार्टी के जिला कार्यकर्ताओं की विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए जिला पार्टी कार्यालय में आज बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में सपा जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव व पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे उर्फ पवन सहित अन्य लोग शामिल हुए। इस बैठक में आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिताने के लिए अयोध्या के समस्त बूथों पर पार्टी का विजन पहुंचाने का निर्णय लिया गया है। उत्तर प्रदेश में आने वाले वर्ष 2022 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है। इसी के लिए तमाम पार्टियां अपनी–अपनी तैयारियां कर रही है।अयोध्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव वह पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे सहित अन्य लोग शामिल हुए।इस मीटिंग के बारे में सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि पार्टी द्वारा आने वाले 4 दिसंबर को गुलाब बाड़ी स्थित पार्टी कार्यालय में एक बड़ी बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में पार्टी के तमाम पदाधिकारी, विशेष आमंत्रित सदस्य, पार्टी के विधायक, जिला पंचायत सदस्य, सहित बड़ी मात्रा में पार्टी कार्यकर्ताओं को बुलाया गया है।इस बैठक को सफल बनाने के लिए व समाजवादी पार्टी के विजन को बूथ–बूथ तक पहुंचाने के लिए पार्टी कार्यालय में बैठक की गई। 4 दिसंबर को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी अयोध्या के प्रत्येक बूथ पर पार्टी का कौन नेतृत्व करेगा इसके लिए संगठन को तैयार करेगी।

काफी फजीहत के बाद रेंज कार्यालय में मारपीट के बाद रेंजर ने कार्यालय के गेट पर लगाया कड़ा पहरा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले के कुमारगंज वन रेंज में तैनात दो वन कर्मियों द्वारा कार्यालय परिसर में ही मारपीट किए जाने के चलते व काफी फजीहत के बाद आखिरकार वन क्षेत्राधिकारी कुमारगंज आरपी सिंह ने भी कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है।इस समय उन्होंने कार्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कार्यालय के प्रवेश द्वार पर वन कर्मी तैनात कर दिया है इसके साथ ही साथ उन्होंने बाहरी लोगों के कार्यालय परिसर में अपने वाहन से प्रवेश पर पाबंदी भी लगा दी है।इस प्रकार से खता किसी की और सजा किसी और को भुगतना पड़ेगा।अर्थात कुमारगंज रेंज कार्यालय तक पहुंच पाना आमजन के लिए बिल्कुल टेढ़ी खीर बन जाएगा।मालूम हो कि बुधवार को रेंजर आवास के कक्ष में स्थित गोपनीय लेखा–जोखा कार्यालय में अकाउंटेंट का काम देख रहे वाचर विवेक दुबे के पास ही विभागीय पैसों सिंचाई गुड़ाई निराई एवं पौधरोपण के पैसे के बंदरबांट के हिसाब किताब को लेकर वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड में मारपीट हो गई थी जिसके बाद कुमारगंज रेंज कार्यालय की जमकर फजीहत हुई थी।आखिरकार फजीहतों के बाद वन क्षेत्राधिकारी कुमारगंज आरपी सिंह चेते और उन्होंने कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार पर विभागीय कर्मियों की तैनाती कर सुरक्षा बढ़ा दी है। अब आम जन को कार्यालय तक पहुंच पाना मुश्किल सा हो गया है सबसे पहले प्रवेश द्वार के बाहर कार्यालय जाने वाले लोगों को अपना वाहन खड़ा करके गेटकीपर से आगमन निगमन रजिस्टर पर अपना पूरा ब्यौरा अंकित कराना होगा। इस संबंध में वन क्षेत्राधिकारी आर पी सिंह ने बताया कि जब से मैंने रेंज का चार्ज लिया है, तब से आज तक बेरोकटोक लोग कार्यालय परिसर चले आते थे जिनका कोई व्यौरा नहीं रहता था। हालांकि वन क्षेत्राधिकारी की ओर से कठोर निर्णय जरूर ले लिया गया है। लेकिन अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के चलते कार्यालय के प्रवेश द्वार के इर्द–गिर्द लोगों को अपने वाहन खड़ा करने की जगह तक नहीं है। ऐसे में कार्यालय पहुंचने वाले जरूरतमंदों को बड़ी कठिनाई का सामना भी करना पड़ेगा।

राजकीय बालिका इंटर कालेज आयोजित हुई मेहंदी, रंगोली, चित्रकला, निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता) राजकीय बालिका इंटर कालेज अयोध्या में जनपद के बालिका इंटर कालेज की छात्राओं के मध्य मेहंदी, रंगोली, चित्रकला, निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाजिसमें प्रथम, द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को अमित सिंह अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी शील्ड देकर सम्मानित किया गया निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्मृति उपाध्याय कनौसा कन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज, द्वितीय स्थान प्रेक्षा त्रिपाठी बापू बालिका इंटर कॉलेज, तृतीय स्थान मीनाक्षी मालवीय राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अयोध्या स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृतिका मौर्या, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अयोध्या, द्वितीय स्थान अनुराग पाल, बापू बालिका इंटर कॉलेज तृतीय स्थान बीना पाठक, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मोहनिया, मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अपर्णा सिंह, कनौसा कन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज, बुशरा खातून, बापू बालिका इंटर कॉलेज तृतीय स्थान मंजू , जूनियर हाई स्कूल सुजागंज, रंगोली में प्रथम स्थान कनौसा कन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज , दितीय स्थान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, अयोध्या तृतीय स्थान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रुदौली चित्रकला में प्रथम स्थान स्वाति विश्वकर्मा , आर्य कन्या इंटर कॉलेज अयोध्या द्वितीय स्थान प्रीति राय कनौसा कन्वेंट इंटर कॉलेज तृतीय स्थान खुशी मोरिया राजकीय बालिका इंटर कॉलेज ने प्राप्त किया कार्यक्रम का शुभारंभ राजेश कुमार पांडे जिला विद्यालय निरीक्षक अयोध्या द्वारा किया गया एवं समापन श्री अमित सिंह अपर जिलाधिकारी प्रशासन/ निर्वाचन अधिकारी द्वारा किया गया राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य उप प्रधानाचार्य कुसुम लता एवं प्रधानाचार्य शशि मल्होत्रा एवं जिला निर्वाचन कार्यालय अयोध्या के तौसीफ अहमद प्रधान सहायक व अन्य समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।